दैनिक
लोकजीवन
भीलवाड़ा एवं जयपुर से प्रकाशित राज्यस्तरीय समाचार पत्र
संस्थापक - स्व. डॉ. शिवकुमार जी त्रिवेदी
■ रजि. नं. 27201/76 ■ मूल्य 2 रूपया ■ पोस्टल रजि. नं. भीलवाड़ा/103/2024-2026
■ वर्ष 51 ■ अंक 269 ■ भीलवाड़ा ■ बुधवार 11 नवम्बर 2026 ■ कार्तिक, शुक्ल पक्ष-तृतीया, संवत् 2083 ■ कुल पृष्ठ 4

लोकजीवन
के वाट्सएप ग्रुप से जुड़ने के लिए QR को स्केन करें

एसीबी ट्रैप हुआ फेल, फिर भी शिकंजे में आया घूसखोर, कनिष्ठ लेखाकार पर मुकदमा

एसएसओ होल्ड हटाने की एवज में मांगी थी 1 लाख की घूस एसीबी ने सत्यापन रिपोर्ट के आधार पर दर्ज किया केस

भीलवाड़ा। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए जिले की करेड़ा पंचायत समिति के कनिष्ठ लेखाकार धर्मवीर के खिलाफ रिश्वत मांगने का औपचारिक मामला दर्ज किया है। हालांकि, मौके पर रिश्वत राशि लेते रंगे हाथ दबोचने के लिए बिछाया गया एसीबी का ट्रैप फेल हो गया, लेकिन गोपनीय सत्यापन के दौरान रिश्वत की मांग पूरी तरह प्रमाणित होने पर ब्यूरो ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत शिकंजा कस दिया है। एसीबी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, परिवादी ने एसीबी चौकी भीलवाड़ा प्रथम में एक लिखित शिकायत दी थी। परिवादी ने आरोप लगाया कि उसकी ग्राम पंचायत से संबंधित कार्य को सुचारू करने और एसएसओ आईडी पर लगे होल्ड को हटाने की एवज में करेड़ा पंचायत समिति का कनिष्ठ लेखाकार धर्मवीर 1 लाख रुपए की अनुचित रिश्वत राशि की मांग कर रहा है।

सत्यापन में खुली पोल, ट्रैप रहा विफल

शिकायत मिलने पर एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी चौकी भीलवाड़ा प्रथम की टीम ने गोपनीय तरीके से शिकायत का तकनीकी व जमीनी सत्यापन करवाया। सत्यापन की प्रक्रिया के दौरान चौंकाने वाले तथ्य सामने आए, जिनमें आरोपी धर्मवीर द्वारा 1 लाख रुपए की रिश्वत मांगे जाने की पुष्टि हुई। साथ ही बातचीत के दौरान 40 हजार रुपए की पहली किश्त तुरंत वसूलने की बात भी प्रमाणित हो गई। इसके बाद एसीबी टीम ने आरोपी को रंगे हाथों पकड़ने के लिए ट्रैप की योजना बनाई, लेकिन किसी कारणवश ट्रैप सफल नहीं हो सका।

अधिकारियों ने दर्ज की नियमित एफआईआर

ट्रैप फेल होने के बावजूद एसीबी ने मामले को ठंडे बस्ते में नहीं डाला। सत्यापन के पुख्ता ऑडियो, डिजिटल साक्ष्य और बयानों के आधार पर कनिष्ठ लेखाकार धर्मवीर के खिलाफ 1 लाख रुपए की रिश्वत मांगने का नियमित मामला (एफआईआर) दर्ज कर लिया गया है। एसीबी की इस सख्त और गैर-पारंपरिक कार्रवाई से पंचायती राज महकमे और प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। एसीबी के वरिष्ठ अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अब इस मामले में विस्तृत जांच कर अन्य संलिप्त कर्मियों की भूमिका की भी जांच की जाएगी।

रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का शव ट्रेन की चपेट में आने से हुई मौत

लोकजीवन न्यूज सर्विस, भीलवाड़ा





चित्तौड़गढ़ मार्ग पर रेलवे ओवरब्रिज के पास बुधवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया। ट्रेन की चपेट में आने से पटना के मूल निवासी एक युवक की कटकर मौत हो गई। इस हादसे से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर जीआरपी और प्रताप नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। प्रताप नगर थाना पुलिस के अनुसार, हादसे में जान गंवाने वाले युवक की पहचान मुकेश कुमार पुत्र वेधनाथ पंडित के रूप में हुई है। मृतक मूल रूप से बिहार की राजधानी पटना का रहने वाला था और वर्तमान में भीलवाड़ा शहर के पटेल नगर स्थित मानसरोवर झील के पास किराए पर रहकर ड्राइवर का काम करता था। पुलिस प्राथमिक जांच में इसे ट्रेन की चपेट में आने से हुआ हादसा मान रही है, हालांकि हर पहलू से मामले की गहराई से जांच की जा रही है।

जीआरपी ने दी प्रताप नगर पुलिस को सूचना

घटनास्थल भीलवाड़ा-चित्तौड़गढ़ रेलवे ट्रैक के पास होने के कारण जीआरपी ने तुरंत हरकत में आते हुए स्थानीय प्रताप नगर थाना पुलिस को दुर्घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही प्रताप नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने मृतक के परिजनों से संपर्क साधने का प्रयास किया, जिसके बाद मृतक के भाई कुंदन से संपर्क हुआ। पुलिस ने परिजनों को हादसे की सूचना दे दी है।

करवाया जा रहा पोस्टमार्टम

घटना की सूचना मिलने के बाद मृतक के परिचित और परिजन भी अस्पताल की मोर्चरी के बाहर पहुंच गए हैं। प्रताप नगर थाना पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी और नियमानुसार कार्रवाई करते हुए महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी में मृतक मुकेश कुमार का पोस्टमार्टम शुरू करवा दिया है। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सुपुर्द किया जाएगा। पुलिस मामले की अग्रिम जांच में जुटी है।

भाई दूज पर छलका अटूट स्नेह: बहनों ने भाइयों के माथे पर सजाया तिलक, मांगी दीर्घायु की कामना

बहनों ने मीठे पकवान खिलाकर उतारी आरती

उपहार देकर भाइयों ने दिया रक्षा का वचन

भीलवाड़ा। भाई-बहन के अटूट प्रेम, अटूट विश्वास और आत्मीयता का प्रतीक भाई दूज का पावन पर्व बुधवार को शहर से लेकर ग्रामीण अंचल तक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पांच दिवसीय दीपोत्सव के अंतिम दिन मनाए जाने वाले इस लोक पर्व पर सुबह से ही घरों में खास चहल-पहल और उत्साह का माहौल देखने को मिला। बहनों ने विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर भाइयों के माथे पर तिलक लगाया और उनकी लंबी उम्र, उत्तम स्वास्थ्य एवं सुख-समृद्धि की मंगल कामना की। वहीं, भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट कर जीवनभर उनकी रक्षा करने का संकल्प दोहराया।



पर्व को लेकर शहर के मुख्य बाजारों और मिठाई की दुकानों पर सुबह से हीर्दृश्य खासा जीवंत नजर आया। रोली, अक्षत, नारियल और मनपसंद मिठाइयों की खरीदारी के लिए बाजारों में खरीदारों की अच्छी खासी भीड़ उमड़ी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाए जाने वाले इस पारंपरिक त्योहार का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इसी दिन यमुना ने अपने भाई यमराज का सत्कार कर उनके माथे पर तिलक किया था, जिससे यमराज ने उन्हें अकाल मृत्यु के भय से मुक्ति का वरदान दिया था। इसी पौराणिक परंपरा के चलते इसे यम द्वितीया के रूप में भी पूरी श्रद्धा के साथ मनाया गया।

बहनों ने घर पहुंचे भाइयों की उतारी आरती

भीलवाड़ा शहर के विभिन्न मोहल्लों और कॉलोनियों में सुबह से ही बहनों के घर भाइयों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। पारंपरिक परिधानों में सजी-धजी बहनों ने जब भाइयों का तिलक कर उनकी आरती उतारी, तो पारिवारिक आत्मीयता और स्नेह के भाव छलक उठे। कई स्थानों पर घरों में पारंपरिक व्यंजनों और पकवानों की महक गूंजती रही, तो वहीं बड़ो ने छोटों को आशीर्वाद देकर इस रिश्ते की मिठास को और प्रगाढ़ किया। आधुनिकता की दौड़ के बीच रिश्तों की इस पारंपरिक डोर को संजोए रखने का यह पर्व शहरवासियों के लिए यादगार बन गया। जगह-जगह लोकगीतों और पारिवारिक मेल-मिलाप के बीच भाई दूज का यह पावन पर्व शहर में आपसी सौहार्द और स्नेह के संदेश के साथ संपन्न हुआ।

शादियों से पहले प्रथम पूज्य गणेश को दे रहे न्योते, मंदिरों में लग रही कार्ड्स की कतारें

भीलवाड़ा। सनातन धर्म में शादियों का सीजन शुरू होते ही शहर के प्रमुख गणेश मंदिरों में भक्तों का तांता लग गया है। शहर में गांधीनगर स्थित गणेश मंदिर और रोडवेज बस स्टैंड स्थित गणेश मंदिर में इन दिनों सुबह से ही शादियों का निमंत्रण देने वालों की कतारें देखने को मिल रही हैं। शादी-विवाह जैसे मांगलिक कार्यों से पहले भगवान गणेश को प्रथम निमंत्रण देने की परंपरा सदियों से चली आ रही है, जिसके तहत शहरवासी अपने परिवार में होने वाले आयोजनों के पहले कार्ड विघ्नहर्ता के चरणों में अर्पित कर रहे हैं। मंदिर परिसरों में इन दिनों शादी के निमंत्रण कार्डों का अंबार सा लग गया है। कोई अपने बेटे की शादी का कार्ड लेकर पहुंच रहा है, तो कोई बेटी के विवाह का न्योता देने आ रहा है। मान्यता है कि प्रथम पूज्य गणेश जी को बिना निमंत्रण दिए कोई भी शुभ कार्य पूर्ण नहीं माना जाता, इसलिए हर परिवार अपने हर मांगलिक अनुष्ठान की शुरुआत विघ्नहर्ता के आशीर्वाद के साथ करता है। मंदिरों में कार्ड के साथ-साथ नारियल, लड्डू, मोदक और दक्षिणा भी समर्पित की जा रही है। पुजारियों के अनुसार, इस बार शादियों के सावे और मुहूर्त अधिक होने के कारण मंदिरों में पिछले सालों की तुलना में काफी अधिक भीड़ उमड़ रही है। श्रद्धालुओं की आवक को देखते हुए दोनों ही प्रमुख मंदिरों गांधीनगर व रोडवेज बस स्टैंड गणेश मंदिर में विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं, ताकि भक्त सुगमता से दर्शन कर सकें और अपने परिवार के विवाह का पहला निमंत्रण पत्र ससम्मान अर्पित कर सकें।



एसीएस शिखर अग्रवाल ने जयपुर लौट जोइनिंग दी 40 विला-कॉटेज खरीद विवाद में एसीबी करेगी पूछताछ

जयपुर। एक ही कंपनी से 40 विला-कॉटेज खरीदने के मामले में विवादों में आए एसीएस शिखर अग्रवाल अमेरिका से जयपुर लौट आए हैं। मामले में उनके खिलाफ एसीबी जांच में अब तेजी आएगी। भास्कर के खुलासे के बाद 29 अक्टूबर को सरकार ने उन्हें सभी पदों से हटाकर एपीओ कर दिया था, इसलिए उन्होंने कार्मिक विभाग में जॉइनिंग दी है। शिखर अग्रवाल 11 नवंबर तक छुट्टी लेकर अमेरिका दौरे पर गए थे, उनकी पत्नी आईपीएस प्रशाखा माथुर भी साथ गई थीं। विला विवाद में 31 अक्टूबर को पत्नी आईपीएस डॉ. प्रशाखा माथुर को भी एपीओ किया जा चुका है।

अब एसीबी जांच आगे बढ़ेगी

शिखर अग्रवाल उद्योग, सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव और दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर विशिष्ट क्षेत्र विकास प्राधिकरण, रीको के अध्यक्ष, निवेश संवर्धन ब्यूरो, राजस्थान के अध्यक्ष भी थे। पत्नी प्रशाखा माथुर एडीजी पुलिस प्लानिंग मॉडनाईजेशन एंड वेलफेयर के पद पर तैनात थीं। विला खरीद मामले में एसीबी प्राथमिक इंक्वायरी दर्ज कर जांच शुरू कर चुकी है। एसीबी विला बनाने वाली कंपनी से रिकॉर्ड तलब कर चुकी है। अब शिखर अग्रवाल को पूछताछ के लिए बुलाने की तैयारी है।



जिस कंपनी से विला- कॉटेज खरीदे उसे ही लीज पर दिए

आईएएस शिखर अग्रवाल, आईपीएस पत्नी प्रशाखा माथुर और परिवार ने गोयल फैशंस प्राइवेट लिमिटेड से अलवर के अजबगढ़ में 20 विला और उदयपुर के बुड़ाड़ा में 20 कॉटेज खरीदे थे। सभी को खरीदने में 6 करोड़ 16.5 लाख रुपए खर्च हुए। खरीद के साथ ही ये सभी विला-कॉटेज उसी कंपनी को लीज पर दे दिए, जिससे खरीदे थे। बुड़ाड़ा के 20 कॉटेज 4 लाख प्रति कॉटेज और अजबगढ़ के 20 विला 5 लाख रुपए प्रति विला सालाना के हिसाब से कंपनी को लीज पर दिए। यानी हर साल लीज से मिलने वाली रकम 1.80 करोड़ रुपए है।

राजस्थान का मौसम

नवंबर में भी गर्मी बरकरार बाड़मेर में पारा 38 डिग्री पार

जयपुर। राजस्थान में नवंबर में भी दिन में गर्मी और सुबह-शाम हल्की ठंडक बनी हुई है। बाड़मेर में पारा 38 डिग्री पार है, जबकि जयपुर में भी गर्मी का असर है। राजस्थान में नवंबर का दूसरा सप्ताह चल रहा है, लेकिन सर्दी का असर अभी तेज नहीं हुआ है। दिन में तेज धूप के कारण कई जिलों में गर्मी बनी हुई है, जबकि सुबह और रात के समय हल्की ठंडक महसूस हो रही है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के अनुसार, बुधवार 11 नवंबर को प्रदेश के सभी जिलों में मौसम साफ और शुष्क रहने का अनुमान है। कहीं भी बारिश की संभावना नहीं है और मौसम विभाग ने कोई अलर्ट जारी नहीं किया है। प्रदेश में दिन का तापमान सामान्य से 1 से 4 डिग्री सेल्सियस तक अधिक बना हुआ है। पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर में अधिकतम तापमान 38.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं राजधानी जयपुर में भी दिन का पारा 33 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, अगले एक सप्ताह तक प्रदेश में मौसम का मिजाज लगभग ऐसा ही बना रह सकता है।



बाड़मेर में सबसे ज्यादा गर्मी, पारा 38.3 डिग्री

पश्चिमी राजस्थान में सर्दी का असर अभी काफी कमजोर है। बाड़मेर में अधिकतम तापमान 38.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। यह प्रदेश में सबसे अधिक है। जैसलमेर और जोधपुर में भी दिन का तापमान 35 डिग्री से ऊपर बना हुआ है। तेज धूप के कारण दोपहर में गर्मी महसूस हो रही है। हालांकि, रात के समय तापमान में कुछ गिरावट आने से हल्की राहत मिल रही है।

सीकर और माउंट आबू में सबसे ज्यादा ठंडक

प्रदेश के दूसरे हिस्सों की तुलना में सीकर और माउंट आबू में सुबह-शाम ठंडक ज्यादा महसूस हो रही है। यहां न्यूनतम तापमान 12 से 13 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। सुबह और देर रात हल्की ठंड का अहसास हो रहा है, जबकि दिन में धूप निकलने से मौसम सुहावना बना हुआ है।

अगले एक सप्ताह कैसा रहेगा राजस्थान का मौसम?

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के पूर्वानुमान के अनुसार, अगले सात दिनों तक प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। इस दौरान बारिश के आसार नहीं हैं। हालांकि, 14 और 15 नवंबर के आसपास उत्तरी और पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों में हल्के बादल छा सकते हैं। फिलहाल तापमान में बड़ी गिरावट के संकेत नहीं हैं। ऐसे में प्रदेशवासियों को कड़ाके की सर्दी के लिए अभी कुछ दिन और इंतजार करना पड़ सकता है।

जयपुर में दिन में तेज धूप, सुबह-शाम हल्की ठंडक

राजधानी जयपुर में बुधवार को आसमान साफ रहेगा और दिनभर धूप खिलने की संभावना है। सुबह के समय हल्की ठंडक महसूस होगी, लेकिन दोपहर में तेज धूप के कारण गर्मी का अहसास होगा। शहर में अधिकतम तापमान करीब 33 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। फिलहाल जयपुर में लोगों को सुबह-शाम हल्की ठंडक और दिन में गर्मी का सामना करना पड़ रहा है।

चार महीने का विराम समाप्त: देवउठनी एकादशी से गूंजेंगी शहनाइयां, नवंबर-दिसंबर में रहेंगे बंपर सावे

भीलवाड़ा। शहर सहित जिलेभर में चातुर्मास के दौरान पिछले चार महीनों से थमी मांगलिक कार्यों की रौनक अब फिर से लौटने वाली है। आगामी 20 नवंबर को देवउठनी एकादशी के साथ ही भीलवाड़ा शहर और ग्रामीण अंचल में विवाह और अन्य शुभ कार्यों की अभूतपूर्व शुरुआत हो जाएगी। इसके साथ ही बाजारों में भी भारी चहल-पहल, कपड़ा बाजार, सर्राफा और टेंट-कैटरिंग व्यवसाय में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है। हिन्दू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ शुक्ल एकादशी (देवशयनी) को भगवान श्री विष्णु चार महीने की योग निद्रा में चले जाते हैं, जिसके चलते सभी मांगलिक कार्य थम जाते हैं। अब कार्तिक शुक्ल एकादशी यानी देवउठनी ग्यारस के दिन भगवान के जागने के बाद से पुनः वैवाहिक आयोजनों का सिलसिला आरंभ होता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार देवउठनी एकादशी को अबूझ सावा (स्वयंसिद्ध मूहूर्त) माना गया है, यानी इस दिन विवाह के लिए पंचांग में विशेष मुहूर्त दिखाने की आवश्यकता नहीं होती है।



नवंबर 2026 में विवाह के प्रमुख सावे

भीलवाड़ा के स्थानीय पंचांगीय गणना के अनुसार देवउठनी एकादशी के तुरंत बाद नवंबर महीने के अंतिम सप्ताह में विवाह के कई बेहतरीन और शुभ मुहूर्त मिल रहे हैं। 21 नवंबर शनिवार - तुलसी विवाह एवं सावा, 22 नवंबर रविवार, 23 नवंबर सोमवार, 24 नवंबर मंगलवार, 28 नवंबर शनिवार, 29 नवंबर रविवार को विवाह रहेंगे।

दिसंबर में मध्य माह तक रहेंगे 7 सावे

नवंबर के इन शुरुआती सावा के बाद, विवाह का यह सिलसिला दिसंबर महीने के पहले पखवाड़े में भी पूरे जोर-शोर के साथ जारी रहेगा। पंचांगीय गणना के अनुसार दिसंबर 2026 के शुरुआती दिनों में विवाह के कुल 7 प्रमुख सावे मिल रहे हैं। शहर के मैरिज गार्डन, बैंड-बाजे, हलवाई और घोड़ी वाले अभी से पूरी तरह बुक चल रहे हैं। 2 दिसंबर बुधवार, 3 दिसंबर गुरुवार, 4 दिसंबर शुक्रवार, 5 दिसंबर शनिवार, 6 दिसंबर रविवार, 11 दिसंबर शुक्रवार, 12 दिसंबर शनिवार को दिसंबर माह की अंतिम विवाह तिथि रहेगी।













न्यूज इन बाक्स

प्रोसेस प्लांट में बॉयलर की दीवार ढही, मलबे में दबकर मजदूर की मौत

भीलवाड़ा। चित्तौड़गढ़ हाईवे पर आटून इलाके में स्थित एक प्रोसेस प्लांट में कार्य के दौरान अचानक बॉयलर की दीवार गिरने से उत्तर प्रदेश के एक मजदूर की मलबे में दबकर मौत हो गई, जिससे प्लांट में अफरा-तफरी मच गई। पुर थाने के सहायक उप निरीक्षक मुकेश कुमार जोशी के अनुसार, उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के मोढ़ गांव निवासी महेश गौड़ पुत्र बनवारी गौड़ प्रोसेस प्लांट में एक ठेकेदार के अधीन मजदूरी का काम करता था। घटना के वक्त वह प्लांट पर अपना काम कर रहा था, तभी अचानक बॉयलर की दीवार ढह गई और वह मलबे के नीचे दब गया। मलबे में दबने से उसे गंभीर अंदरूनी चोटें आईं। अन्य कर्मचारियों और प्रबंधन ने तुरंत उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल पहुंचाया, जहाँ डॉक्टरों ने उपचार के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर उनकी मौजूदगी में जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है क्योंकि किसी को अंदाजा नहीं था कि महेश की दीपावली की छुट्टियों के बाद हुई यह वापसी उसकी अंतिम यात्रा साबित होगी। फिलहाल, पुर थाना पुलिस इस हादसे के असल कारणों की गहनता से जांच कर रही है।

कमला हत्याकांड के चौथे आरोपी कालू तापड़िया को जेल भेजा

भीलवाड़ा। बुजुर्ग महिला कमला देवी कांकड़िया की हत्या और उनके शव को जलाकर साक्ष्य मिटाने के इस चर्चित मामले में पुलिस की जांच अब अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुकी है, और मुख्य आरोपी के सह-आरोपी को भी जेल भेज दिया गया है। भीमगंज थाना पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी रवि तापड़िया के भतीजे और सह-आरोपी रघुवीर उर्फ कालू तापड़िया को गत गुरुवार को शक्करगढ़ थाना क्षेत्र के अमरगढ़ के जंगलों से आधी रात के समय दबोचा गया था. गहन पूछताछ के बाद अदालत ने उसे 10 नवंबर तक पुलिस रिमांड पर सौंपा था। रिमांड के दौरान पुलिस उसे सुभाष नगर थाना क्षेत्र स्थित उस मकान पर लेकर पहुंची, जहाँ गत 12 अक्टूबर की रात को कमला देवी की निर्मम हत्या की गई थी. पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि आरोपियों ने वारदात के ठीक अगले दिन देर रात शव को मकान की छत पर पहुंचाया और लकड़िया डालकर आग के हवाले कर दिया, तथा सुबह जली हुई राख और हड्डियों के अवशेष को कोठारी नदी में प्रवाहित कर दिया था। उल्लेखनीय है कि इस मामले में मुख्य आरोपी रवि तापड़िया, हीरा सिंधी और सहयोगी चूचा उर्फ आर्यन की गिरफ्तारी पहले ही की जा चुकी है। गौरतलब है कि गत 12 अक्टूबर की रात रवि तापड़ियां अपने दोस्त हीरा सिंधी का कर्ज चुकाने के लिए पैसों की मांग को लेकर कमला देवी को बहला-फुसलाकर ले गया था, जहाँ पैसे देने से इंकार करने पर उनके हाथ-पैर बांधकर, गहने लूटकर और तकिए से मुंह-गला दबाकर बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। पुलिस द्वारा रिमांड और तस्दीक की प्रक्रिया पूरी होने के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है और अब मामले में अन्य गिरफ्तारी शेष नहीं है।

हाईवे पर तेज रफ्तार कार सीमेंट के पिलर से टकराकर पलटी, मजदूर की मौत, दो गंभीर

भीलवाड़ा। गुजरात के अहमदाबाद में रोजी-रोटी कमाने के बाद दीपावली पर घर लौट रहे मजदूरों के लिए बिजौलिया थाना इलाके में सलावटिया फोरलेन कट पर नेशनल हाईवे का अधूरा निर्माण और लापरवाही काल बनकर बरसी, जहां तेज रफ्तार कार पिलर से टकराकर हवा में पलट गई. दरअसल, मध्यप्रदेश के भिंड जिले के चार लोग अहमदाबाद में कलर-पुट्टी का काम करते थे और सोमवार रात कार से घर लौट रहे थे. सलावटिया फोरलेन कट के पास ओवरब्रिज का निर्माण कार्य चलने के कारण यातायात डायवर्ट कर सर्विस लेन से निकाला जा रहा था, जहां सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे और सीमेंट के पिलर ब्लॉक्स रखे हुए थे. रात के घुप अंधेरे और उचित चेतावनी या संकेतक न होने के कारण चालक को पिलर्स का अंदाजा नहीं लगा और कार सीधे पिलर से टकरा गई। इस भयानक टक्कर का सबसे ज्यादा खामियाजा आगे बैठे राजेश पाल (51 वर्ष) को भुगतना पड़ा, जो झटके से कार का दरवाजा तोड़कर बाहर जा गिरे और उनके सिर में गंभीर चोट लगने से मौत हो गई। गनीमत रही कि चालक नारायण सिंह बघेल ने सीट बेल्ट लगा रखी थी जिससे उनकी जान बच गई, जबकि पीछे बैठे दिनेश पाल और मुकेश पाल गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें कोटा रेफर किया गया। इस दर्दनाक हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों और क्षेत्रीय लोगों में भारी आक्रोश है. लोगों का आरोप है कि हाईवे पर ओवरब्रिज का निर्माण कछुआ चाल से चल रहा है और बिना संकेतकों व रिफ्लेक्टर्स के बरती जा रही यह लापरवाही लगातार बेकसूरों की जान ले रही है. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

14 ग्राम अवैध एमडी पाउडर के साथ कुख्यात तस्कर गिरफ्तार, स्कूटी जब्त

भीलवाड़ा। शहर के सुभाषनगर थाना क्षेत्र में पुलिस और डीएसटी टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक तस्कर को धर दबोचा है, जिसके कब्जे से 14 ग्राम अवैध एमडी पाउडर और वारदात में प्रयुक्त स्कूटी बरामद की गई है। सुभाषनगर थाना प्रभारी कैलाश कुमार विश्नोई के अनुसार, पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त और आकस्मिक चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान कुवाड़ा खान, कोटा रोड के पास मुखबिर की सूचना पर एक संदिग्ध युवक को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें उसके पास से यह प्रतिबंधित एमडी पाउडर मिला। पकड़ा गया आरोपी भवानीनगर, अपनाघर योजना छात्रावास के सामने रहने वाला सोहेब शेख (पुत्र मोहम्मद इस्माइल शेख) है। प्रारंभिक पूछताछ में यह बात सामने आई है कि आरोपी बिना किसी लाइसेंस या परमिट के अवैध रूप से इस मादक पदार्थ की सप्लाई करता था और विशेष तौर पर नवयुवकों व व्यस्कों को नशे की लत में धकेलने के लिए यह कारोबार चला रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। गौरतलब है कि युवा पीढ़ी को नशे की दलदल से बचाने के लिए पुलिस का यह अभियान बेहद सराहनीय है। पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से स्थानीय स्तर पर ड्रग्स तस्करों में हड़कंप मच गया है, और पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की सुरागकशी में जुटी है।

चलती स्कूटी से महिला की सोने की चेन लूटने वाला मुख्य आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा। जिले की सुभाषनगर थाना पुलिस ने कानून-व्यवस्था और अपराधियों के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाते हुए कुछ ही दिनों के भीतर चेन स्नेचिंग की एक सनसनीखेज वारदात का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी को घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार कर लिया है। थानाधिकारी कैलाश कुमार विश्नोई ने बताया कि 4 नवंबर 2026 की शाम को 9 नया विस्तार पूर्व निवासी श्रीमती प्रेम देवी अपनी बहू के साथ स्कूटी पर सवार होकर मार्केट से घर लौट रही थीं। आरसी व्यास कॉलोनी से सुभाषनगर की ओर जाने वाले रास्ते पर बाइक सवार दो बदमाशों ने उनका पीछा किया और चलती स्कूटी पर झपट्टा मारकर उनके गले से 17 ग्राम वजनी सोने की चेन और 5 ग्राम का लोकेट (कुल 22 ग्राम सोना) झपटकर फरार हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया, जिसने सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज खंगालने और तकनीकी सर्विलांस व मुखबिर तंत्र की मदद से मुख्य आरोपी पवन राव (पुत्र रतन लाल राव, निवासी बापू नगर, हाल निवासी पटेल नगर) को दबोच लिया। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि इस वारदात में एक बाल अपचारी भी शामिल था, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस की त्वरित और तकनीकी कार्यशैली से शातिर बदमाशों के मंसूबे नाकाम साबित हुए हैं। इस गिरफ्तारी से शहर में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों पर लगाम लगेगी तथा लूटे गए माल की शत-प्रतिशत बरामदगी की दिशा में पुलिस मजबूती से आगे बढ़ रही है।

एक लापरवाही और जेल की नौबत! अनजाने में भी हो सकता है करोड़ों की टैक्स चोरी का केस

आपके नाम से हो सकता है फर्जी कारोबार

टैक्स नोटिस और मुकदमों से बचाव जरूरी

लोकजीवन न्यूज सर्विस, भीलवाड़ा

यदि आप भी नया सिम कार्ड खरीदने, बैंक खाता खुलवाने या लोन लेने के लिए बिना सोचे-समझे किसी को भी अपने आधार या पैन कार्ड की फोटोकॉपी सौंप रहे हैं, तो तुरंत सतर्क हो जाएं। साइबर ठगों ने आम नागरिकों के दस्तावेजों का इस्तेमाल कर जालसाजी का एक खौफनाक पैतरा खोज निकाला है। आपकी छोटी सी लापरवाही आपको करोड़ों रुपए के कानूनी पचड़े और टैक्स चोरी के मुकदमों में फंसा सकती है। दरअसल, साइबर अपराधी और जालसाज आमजन से विभिन्न कामों के नाम पर एकत्र की गई आधार और पैन कार्ड की फोटोकॉपी का दुरुपयोग कर फर्जी फर्में और जीएसटी नंबर हासिल कर रहे हैं। इन फर्जी कंपनियों के जरिए करोड़ों रुपए का काला कारोबार और बोगस बिलिंग की जा रही है। इसका खुलासा तब होता है जब आयकर विभाग या जीएसटी विभाग का भारी-भरकम कर चोरी का नोटिस सीधे आम नागरिक के घर पहुंचता है।



ऐसे चल रहा फर्जीवाड़े का खेल

मोबाइल सिम, फाइनेंस, प्रॉपर्टी डील या बैंक लोन के नाम पर आम लोगों से फोटोकॉपी ली जाती है। इन्हीं फोटोकॉपी के आधार पर बिना व्यक्ति की जानकारी के फर्जी प्रोपराइटरशिप फॉर्म बनाकर जीएसटी नंबर ले लिया जाता है। इन फर्जी फर्मों के बैंक खातों से करोड़ों की बोगस बिलिंग और इनपुट टैक्स क्रेडिट का खेल खेला जाता है। जब ठग पूरी ठगी करके गायब हो जाते हैं, तब विभाग असली पैन/आधार धारक को नोटिस थमा देता है।

बचाव के लिए रखें इन बातों का ध्यान

जब भी किसी को अपने पहचान पत्र की फोटोकॉपी दें, तो उस पर पेन से स्पष्ट लिखें कि यह किस काम के लिए दी जा रही है और साथ ही उस दिन की तारीख व अपने हस्ताक्षर जरूर करें। सरकारी या अति-आवश्यक कार्यों के अलावा सामान्य जगहों पर मास्कड आधार कार्ड का ही उपयोग करें, जिसमें आधार के शुरुआती 8 अंक छिपे होते हैं। किसी भी अनजान एजेंट या बिना ऑथराइज्ड दुकान पर अपने दस्तावेज जमा न कराएं। अपने पैन से बनी फर्जी कंपनियों की जांच के लिए समय-समय पर आयकर विभाग के एप या पोर्टल पर जाकर अपने ट्रांजेक्शन चेक करते रहें। जागरूकता ही सुरक्षा का सबसे बड़ा हथियार है।

एअर इंडिया की फ्लाइट को हाईजैक करने की धमकी

टॉयलेट के शीशे पर लिखा था संदेश, टेकऑफ से पहले मचा हड़कंप

कोलकाता। कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब मुंबई जाने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट में हाईजैक की धमकी मिलने की सूचना सामने आई। विमान के एक टॉयलेट के शीशे पर धमकी भरा संदेश लिखा मिला। कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार सुबह एअर इंडिया की मुंबई जाने वाली फ्लाइट में हाईजैक की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। विमान के एक टॉयलेट के शीशे पर धमकी भरा संदेश लिखा मिला। घटना की जानकारी मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं।

बताया जा रहा है कि विमान टेकऑफ की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान उसके एक टॉयलेट के शीशे पर लिखा धमकी भरा संदेश देखा गया। इसकी सूचना मिलते ही पायलट ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल यानी एटीसी को अलर्ट कर दिया।



आइसोलेशन बे में ले जाया गया विमान

जानकारी के मुताबिक, घटना के बाद विमान को आइसोलेशन बे में ले जाया गया। यहां केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और एयरपोर्ट के विशेष सुरक्षा कर्मियों ने तलाशी अभियान शुरू किया। विमान के हर हिस्से की बारीकी से जांच की जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध वस्तु का पता लगाया जा सके। सुरक्षा एजेंसियां यह सुनिश्चित करने में जुटी हैं कि विमान में कोई खतरा मौजूद न हो।

अग्रवाल मंदिर में धूमधाम से मनाया अन्नकूट महोत्सव, ठाकुरजी को लगाया छप्पन भोग

लोकजीवन न्यूज सर्विस, भीलवाड़ा

दीपावली पर्व के बाद गोवर्धन पूजा के अवसर पर पुरानी धान मंडी स्थित अग्रवाल मंदिर में अग्रवाल समाज संपत्ति ट्रस्ट के तत्वावधान में अन्नकूट महोत्सव हर्षोल्लास और भक्तिमय वातावरण में आयोजित किया गया।

इस दौरान मंदिर में विराजित ठाकुरजी का विशेष श्रृंगार कर उन्हें विभिन्न प्रकार के व्यंजनों से तैयार अन्नकूट का भोग लगाया गया। महोत्सव को लेकर मंदिर परिसर को आकर्षक सजावट से सजाया गया। भगवान के दर्शन और अन्नकूट भोग के लिए श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। क्षेत्रवासियों और अग्रवाल समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर भगवान के दर्शन किए तथा धार्मिक आयोजन में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। शाम 6 बजे आयोजित आरती में श्रद्धालुओं ने भगवान के जयकारे लगाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके बाद श्रद्धालुओं को अन्नकूट का प्रसाद वितरित किया गया। प्रसाद ग्रहण करने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। गोवर्धन पूजा के इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण से परिवार, समाज और क्षेत्र में सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं खुशहाली बनाए रखने की कामना की। समाजजनों और क्षेत्रवासियों की सामूहिक सहभागिता से अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस मौके पर अग्रवाल समाज संपत्ति ट्रस्ट के अध्यक्ष पवन खेमका ट्रस्टी रामगोपाल अग्रवाल ललित अग्रवाल पूर्वी जोन समिति अध्यक्ष कृष्ण गोपाल कसंदिया पूर्वी जोन महिला मंडल अध्यक्ष संध्या अग्रवाल, पवन अग्रवाल, पारस अग्रवाल, महावीर अग्रवाल ,अनिल बिंदल, बृजेश बंसल, रमाकांत अग्रवाल ,वैभव अग्रवाल आदि अग्रबंधु उपस्थित रहे।



देव उठनी एकादशी पर रचेगा सेन समाज का सामूहिक विवाह, 23 जोड़े लेंगे फेरे

भीलवाड़ा। सेन समाज के तत्वावधान में देव उठनी एकादशी पर आयोजित होने जा रहे भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन के शुभ लग्न की रस्म बुधवार को सांगानेरी गेट स्थित श्री नारायणी धाम में विधि-विधान से संपन्न हुई। नारायणी सेना के जिलाध्यक्ष बलवीर सेन ने बताया कि सर्वसम्मति से लग्न लेखन का कार्य पूरा कर लिया गया है। इस विवाह सम्मेलन में भगवान ठाकुर जी के साथ सेन समाज के 23 जोड़े परिणय सूत्र में बंधेंगे। यह ऐतिहासिक आयोजन भीलवाड़ा स्थित बागेश्वर महाराज कथा स्थल, कुमुद विहार-3 में पूरी भव्यता के साथ संपन्न होगा। समारोह के आयोजन से जुड़े प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए नारायणी सेना के संरक्षक दिलखुश सेन ने बताया कि यह सम्मेलन संपूर्ण सेन समाज के बैनर तले आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अतिथियों के स्वागत, भोजन, आवास और सुरक्षा सहित विभिन्न व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए शीघ्र ही समर्पित समितियों का गठन किया जाएगा। लग्न लेखन के इस मांगलिक अवसर पर नारायणी धाम परिसर में समाज के अनेक गणमान्य नागरिक, वरिष्ठ जन एवं प्रबुद्ध लोग मौजूद रहे।



बद्री नारायण मंदिर में मनाया अन्नकूट उत्सव, उमड़े श्रद्धालु

लोकजीवन न्यूज सर्विस, भीलवाड़ा

भीलवाड़ा। पुरानी धानमंडी स्थित प्राचीन बद्रीनारायण मंदिर में मंगलवार को अन्नकूट उत्सव अत्यंत हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। ट्रस्ट अध्यक्ष ओमप्रकाश भदादा ने बताया कि इस पावन अवसर पर मंदिर परिसर में दिनभर धार्मिक और सांस्कृतिक उल्लास का माहौल रहा।

संध्या बेला में भगवान बद्री नारायण की विशेष आरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। आरती के पश्चात ठाकुरजी को विभिन्न मिश्रित हरी सब्जियों (अन्नकूट) और दाना-नुक्ती का विशेष भोग अर्पित किया गया। इसके बाद उपस्थित सभी भक्तों को महाप्रसादी का वितरण किया गया। उत्सव के दौरान भगवती भजन मंडल द्वारा मनमोहक भजन-कीर्तन की प्रस्तुतियां दी गईं। मंडल के कलाकारों द्वारा गाए गए भजनों से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया और श्रद्धालु भक्तिरस में सराबोर



नजर आए। सभी धार्मिक अनुष्ठान और पूजन कार्य पुजारी गोविंद चौबे की देखरेख में विधि-विधान के साथ संपन्न हुए। इस आयोजन में शहर के तमाम गणमान्य नागरिकों और श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और भगवान बद्री नारायण के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

असम में भयंकर रेल हादसा, पटरी से उतरे एक्सप्रेस ट्रेन के 6 डिब्बे!

नई दिल्ली। असम के कामरूप मेट्रो जिले के डिगारू रेलवे स्टेशन पर बुधवार सुबह बड़ा रेल हादसा हो गया। कोलकाता-सैरांग एक्सप्रेस का इंजन और पांच यात्री कोच पटरी से उतर गए। हादसा सुबह करीब 6.54 बजे हुआ। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुताबिक, दूसरी ट्रेन को प्राथमिकता देने के दौरान लोको पायलट ट्रेन की रफ्तार नियंत्रित नहीं कर सके। राहत की बात यह है कि सभी यात्री सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। रेलवे ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया है और यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक ट्रेन की व्यवस्था की जा रही है। हादसे की जांच के साथ रेल परिचालन बहाल करने का काम जारी है।

पीथास में श्रद्धा और उल्लास से मना अन्नकूट महोत्सव, बैलों का पूजन किया, गूंजे जयकारे

लोकजीवन न्यूज सर्विस, भीलवाड़ा

मांडल तहसील के पीथास गांव में अन्नकूट महोत्सव धार्मिक श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर गांव के सभी मंदिरों में विशेष धार्मिक अनुष्ठान हुए तथा वर्षों पुरानी लोक परंपरा का निर्वहन किया गया। महोत्सव को लेकर सुबह से ही ग्रामीणों में खासा उत्साह देखा गया। ग्रामीणों ने सुबह बैलों को नहला-धुलाकर रंगों व आभूषणों से आकर्षक रूप में सजाया। शाम को गांव के विभिन्न देवालयों में विधि-विधान के साथ बैलों की पूजा-अर्चना कर महाआरती की गई। इसके पश्चात ठाकुरजी को विभिन्न सब्जियों, चावल, चवले और कद्दू के मेल से तैयार पारंपरिक अन्नकूट का भोग लगाकर श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पंगत प्रसादी ग्रहण कर धर्मलाभ उठाया। ग्रामीण परंपरा के अनुसार शाम को सजे-धजे बैलों की विधिवत पूजा के बाद उन्हें गुड़ एवं लापसी खिलाई गई। इसके बाद पटाखे चलाकर बैलों को भड़काने (दौड़ाने) की अनूठी व पारंपरिक रस्म निभाई गई। इस परंपरागत आयोजन को देखने के लिए चौक-चौराहों पर ग्रामीणों का हुजूम उमड़ पड़ा। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने पूरे उत्साह से भाग लिया। अन्नकूट महोत्सव के माध्यम से ग्रामीणों ने अपनी धार्मिक आस्था, आपसी भाईचारे और सदियों पुरानी सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत रखने का संदेश दिया। आयोजन के चलते दिनभर समूचे गांव में उत्सव व उल्लास का वातावरण बना रहा।



लक्ष्मीनारायण मंदिर में अन्नकूट पर सात पारंपरिक व्यंजनों का लगाया भोग

लोकजीवन न्यूज सर्विस, भीलवाड़ा

शहर के भोपालगंज स्थित लक्ष्मीनारायण मंदिर में मंगलवार को अन्नकूट महोत्सव पूर्ण धार्मिक उल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। महोत्सव के तहत दिनभर विभिन्न धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का दौर चला, जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भगवान के दर्शन किए और प्रसादी का लाभ लिया।

ट्रस्टी ओमप्रकाश अग्रवाल ने बताया कि महोत्सव की शुरुआत मंगलवार सुबह भगवान श्री लक्ष्मीनारायण के अलौकिक एवं भव्य श्रृंगार के साथ हुई। मंदिर परिसर को फूलों और आकर्षक रोशनी से सजाया गया था। सुबह से ही दर्शन के लिए भक्तों का पहुंचना शुरू हो गया था, जो देर शाम तक जारी रहा। शाम के समय आयोजित भजन संध्या में स्थानीय कलाकारों व भक्तों ने एक से बढ़कर एक मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। मधुर भजनों की स्वरलहरियों पर श्रद्धालु झूम उठे और पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में रंग गया। शाम को विधि-विधान के साथ महाआरती की गई, जिसमें बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तों ने हिस्सा लिया। आरती के उपरांत मंदिर में भक्तों के



बीच विशेष अन्नकूट प्रसाद का वितरण किया गया। इस दौरान प्रसाद में सात प्रकार के पारंपरिक व्यंजन (कद्दू की सब्जी, मिक्स सब्जी, चवले-चावल, नुक्ती, मिर्ची बड़ा, पकौड़ी और पापड़) तैयार किए गए थे। श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया और धर्म लाभ कमाया।

एमजीएच में अज्ञात मरीज की मौत, पहचान के प्रयास में जुटी पुलिस

भीलवाड़ा। बीमारी के चलते इलाज के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराए गए एक अज्ञात मरीज की उपचार के दौरान मौत हो गई है। मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाने के कारण शव को महात्मा गांधी जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। जिला अस्पताल चौकी प्रभारी कृष्ण गोपाल ने जानकारी दी कि नारायण भील 35 नामक व्यक्ति को 5 नवंबर को गंभीर बीमारी के चलते जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां 8 नवंबर को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अस्पताल में भर्ती टिकट पर उसका पता माता जी का खेड़ा, कोटड़ी दर्ज है।

पुलिस कंट्रोल रूम के माध्यम से परिजनों का पता लगाने की तमाम कोशिशें की गई, लेकिन अभी तक उसकी आधिकारिक पहचान पुख्ता नहीं हो पाई है। पुलिस के अनुसार मृतक के सिर पर बड़े बाल, दाढ़ी-मूंछें हैं तथा उसके दाहिने हाथ की कलाई पर नारायण भील गुदा हुआ है। उसने काले रंग का पजामा, कबूतर कलर की डिजाइनर शर्ट और गले में सफेद धातु की चेन पहन रखी है। अज्ञात व्यक्ति की मौत के बाद उसकी पहचान सुनिश्चित करना पुलिस और प्रशासन के लिए प्राथमिकता है। पुलिस ने आसपास के थानों और ग्रामीण क्षेत्रों में सूचना भिजवा दी। उसका अंतिम संस्कार नियमानुसार किया जा सके।

विहिप के हित चिंतक सदस्यता अभियान का आगाज, संतों और पुजारियों से की शुरुआत



लोकजीवन न्यूज सर्विस, भीलवाड़ा

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) चित्तौड़ प्रांत के हित चिंतक सदस्यता अभियान का शुभारंभ भगवान श्री देवनारायण की जन्मस्थली मालासेरी डूंगरी (आसींद) से किया गया। अभियान के तहत संतों, महंतों और पुजारियों को हित चिंतक सदस्य बनाकर इसकी शुरुआत की गई। विहिप के विभाग मंत्री विजय ओझा ने बताया कि अखिल भारतीय योजनानुसार हर तीन वर्ष में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर नए सदस्य बनाने का महाभियान चलाया जाता है। इसी क्रम में चित्तौड़ प्रांत के आसींद क्षेत्र स्थित मालासेरी डूंगरी पर केंद्रीय मार्गदर्शन मंडल के सदस्य पूज्य महंत श्री रामकृष्ण दास जी महाराज (त्यागी पाटन), श्री निवास दास जी महाराज त्यागी तथा मंदिर के पुजारी हेमराज पोसवाल सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए देवनारायण भगवान के पुजारियों व भोपों के सानिध्य में अभियान का आगाज हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित संतों एवं पुजारियों को हित चिंतक सदस्य बनाया गया। सदस्यता अभियान आगामी 6 दिसंबर तक निरंतर चलेगा। इसके तहत भीलवाड़ा विभाग से लगभग 25,000 नए हित चिंतक सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान की सफलता और व्यापक स्तर पर जनसंपर्क सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रखंडों में निरंतर बैठकें आयोजित की जा रही हैं।

शुभारंभ अवसर पर विहिप के केंद्रीय सह मंत्री आनंद गोयल, क्षेत्रीय मंत्री सुरेश उपाध्याय, क्षेत्रीय संगठन मंत्री आनंद भाई, प्रांत संगठन मंत्री नितिन भाई, प्रांत अध्यक्ष प्रताप सिंह नागदा, प्रांत मंत्री कौशल गौड़, प्रांत सह मंत्री किशन गुर्जर, बालमुकुंद शर्मा, विनीत तथा अजमेर विभाग संगठन मंत्री बनवारी सहित कई प्रमुख पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक सम्पादक मुद्रक कैलाश त्रिवेदी द्वारा लोकजीवन मीडिया एण्ड पब्लिशर्स, नागौरी गार्डन भीलवाड़ा से मुद्रित एवं 207-214 नागौरी गार्डन, लोकजीवन कॉम्पलेक्स, भीलवाड़ा से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भीलवाड़ा ही होगा। आर.एन.आई. नं. 27201/76 पोस्टल रजि. नं. भीलवाड़ा/103/2024-2026, (मो.) 83067-92625 फोन नं. 355985, जयपुर कार्यालय : D-38, प्रधान पथ, चौमू हाउस, सी स्कीम, जयपुर फोन : 0141-4038281, E-mail : lokjeewan@gmail.com

दैनिक लोकजीवन संपादकीय

भाई दूज- रिश्तों को पुनर्जीवित करने का अवसर

भारतीय संस्कृति में पर्व केवल कैलेंडर की तारीखें नहीं, बल्कि जीवन-मूल्यों को पुनर्जीवित करने के अवसर हैं। हर त्योहार के पीछे कोई न कोई सामाजिक, पारिवारिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संदेश छिपा है। दीपावली के पंचपर्वों की श्रृंखला में आने वाला भैया दूज भी ऐसा ही आत्मीय पर्व है, जो भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को स्नेह, विश्वास, सुरक्षा और कर्तव्य की डोर से बांधता है। यह पर्व मानो रिश्तों की सूखी धरती पर संवेदनाओं की फुहार है, जो मनुष्य को याद दिलाता है कि जीवन की सबसे बड़ी पूंजी धन नहीं, बल्कि अपनेपन का भाव है। भैया दूज कार्तिक शुक्ल द्वितीया को मनाया जाता है। बहन भाई के मस्तक पर तिलक लगाती है, आरती करती है, उसके सुख, स्वास्थ्य, दीर्घायु और मंगल की कामना करती है तथा भाई अपनी बहन के प्रति स्नेहह और संरक्षण का संकल्प व्यक्त करता है। देखने में यह परंपरा जितनी सरल है, उसका भावार्थ उतना ही व्यापक है। यह केवल एक भाई और एक बहन का रिश्ता नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज में परस्पर सम्मान, सहयोग, करुणा और सुरक्षा की भावना को मजबूत करने का सांस्कृतिक विधान है।

पौराणिक कथा में यमराज और यमुना का प्रसंग इस पर्व की आत्मा को उजागर करता है। यमुना ने अपने भाई यमराज को प्रेमपूर्वक अपने घर आमंत्रित किया। यमराज ने बहन के स्नेह को स्वीकार किया और उसके आतिथ्य से प्रसन्न होकर वरदान दिया। तभी से यह दिन यम द्वितीया के रूप में भी प्रतिष्ठित हुआ। कथा का वास्तविक संदेश चमत्कार में नहीं, रिश्ते निभाने की संवेदना में है। बहन का प्रेम और भाई का उत्तरदायित्व मिलकर उस विश्वास को जन्म देते हैं, जिसमें जीवन की कठिनाइयों के सामने मनुष्य अकेला नहीं पढ़ता। हमारे पूर्वजों ने रिश्तों को केवल रक्त संबंधों तक सीमित नहीं रखा था। उन्होंने उनमें कर्तव्य और मर्यादा का भाव जोडा। इसीलिए भैया दूज हमें यह सिखाता है कि बहन के प्रति भाई का दायित्व केवल उपहार देना नहीं, बल्कि उसके सम्मान, सुरक्षा और स्वाभिमान के प्रति सजग रहना है। इसी तरह बहन का स्नेह केवल तिलक तक सीमित नहीं, बल्कि भाई के जीवन में सद्भाव, संयम और सदाचार की कामना से जुड़ा है।

आज के बदलते सामाजिक परिवेश में इस संदेश की प्रासंगिकता और ब? गई है। परिवार छोटे हो रहे हैं, जीवन की गति तेज हो रही है और डिजिटल दुनिया ने संवाद के अनेक रास्ते तो खोले हैं, लेकिन दिलों के बीच की दूरी कई बार बढ़ा दी है। रिश्ते कभी-कभी संदेशों और इमोजी तक सिमट जाते हैं। ऐसे समय में भैया दूज हमें रिश्तों को औपचारिकता नहीं, आत्मीयता से जीने की सीख देता है। दुर्भाग्य से पर्वों के साथ प्रदर्शन और बाजारवाद का प्रभाव भी बड़ा है। महंगे उपहार, दिखावटी आयोजन और सामाजिक प्रतिस्पर्धा ने कई बार त्योहार की आत्मा को पीछे धकेल दिया है। "चमक-दमक से दीप जल सकता है, लेकिन रिश्तों में उजाला प्रेम से ही आता है।" भैया दूज का अर्थ जेब की क्षमता नहीं, हृदय की समृद्धि है। बहन को कितना महंगा उपहार मिला, इससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि भाई ने उसकी बात कितनी सुनी, उसके सम्मान के लिए कितना खड़ा रहा और कठिन समय में उसका हाथ कितनी मजबूती से थामा।

भारत के विभिन्न क्षेत्रों में यह पर्व अलग-अलग लोकपरंपराओं के साथ मनाया जाता है। कहीं इसे भाई दूज, कहीं भाई बीज और कहीं यम द्वितीया कहा जाता है। महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार सहित अनेक क्षेत्रों की अपनी विशिष्ट रस्में हैं। इन विविधताओं में भारतीय संस्कृति की खूबसूरती दिखाई देती है। "कोस-कोस पर पानी बदले, चार कोस पर बानी" वाली इस भूमि में परंपराएं भले बदल जाएं, लेकिन उनके मूल में छिपा प्रेम और आत्मीयता का भाव एक ही रहता है। भैया दूज का एक और व्यापक संदेश है-स्त्री के सम्मान का। यदि भाई बहन की रक्षा का संकल्प लेता है तो यह भावना समाज की प्रत्येक बेटी और प्रत्येक महिला के सम्मान तक विस्तार पाती है। बहन के प्रति सम्मान का अर्थ तभी सार्थक है, जब वही दृष्टि हम हर स्त्री के प्रति रखें। घर की बहन सुरक्षित हो और समाज की बेटी असुरक्षित- यह विरोधाभास हमारी संस्कृति की आत्मा के अनुकूल नहीं हो सकता।

आज जब भारत विकसित भारत और विश्वगुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है। सभ्यता की ऊंचाई इमारतों से नहीं, मनुष्यता की ऊंचाई से मापी जाती है। यदि परिवारों में संस्कार, समाज में संवेदना और जीवन में नैतिकता मजबूत होगी, तभी विकास स्थायी और सार्थक बनेगा। भैया दूज जैसे पर्व इसी सांस्कृतिक पूंजी को सुरक्षित रखने का माध्यम हैं। इस पर्व का संदेश सीमाओं पर देश की रक्षा करने वाले सैनिक भाइयों तक भी पहुंचना चाहिए। कितनी ही बहनें ऐसी हैं जिनके भाई त्योहार के दिन भी मातृभूमि की सुरक्षा में तैनात रहते हैं। उनके लिए बहन की प्रार्थना और देशवासियों का सम्मान ही सबसे बड़ा तिलक है। वास्तव में भैया दूज का प्रेम तभी व्यापक होगा, जब वह अपने भाई से आगे ब?कर हर उस व्यक्ति के प्रति संवेदना बने जो परिवार, समाज और राष्ट्र की रक्षा में अपना जीवन समर्पित कर रहा है।

भारतीय संस्कृति ने नारी को केवल संरक्षण की वस्तु नहीं माना। हमारे यहां "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:" की भावना रही है। गार्गी और मैत्रेयी जैसी विदुषियों ने ज्ञान की परंपरा में अपनी स्वतंत्र पहचान बनाई। रानी लक्ष्मीबाई ने रणभूमि में अद्भुत शौर्य का परिचय दिया। अहिल्याबाई होल्कर ने शासन और लोककल्याण का आदर्श स्थापित किया। सावित्रीबाई फुले ने स्त्री-शिक्षा की मशाल जलाई। आधुनिक भारत में कल्पना चावला से लेकर अनेक महिला वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष यात्रियों तक ने यह सिद्ध किया कि प्रतिभा का कोई लिंग नहीं होता। इसलिए बहन-भाई से जु? भैया दूज पर्व को अतीत की स्मृति और वर्तमान की चेतना के बीच एक सेतु बनाना होगा। हमारी संस्कृति का संरक्षण तभी सार्थक है जब वह जीवन को आगे बढ़ाए, उसे पीछे न खींचे। परंपरा वह नहीं जो केवल दोहराई जाए, परंपरा वह है जो समय के साथ नए अर्थ पैदा करे। भैया दूज का आध्यात्मिक पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। संसार में सबसे बड़ी असुरक्षा बाहरी नहीं, भीतर की है। भय, क्रोध, लोभ, अहंकार, ईर्ष्या और द्वेष मनुष्य की आत्मिक शांति को कमजोर करते हैं। जैन दर्शन की दृष्टि से देखें तो वास्तविक सुरक्षा बाहरी कवच से नहीं, आत्मसंयम और आत्मजागरण से होती है। जब मनुष्य अपने भीतर के विकारों से स्वयं की रक्षा करना सीख जाता है, तभी वह दूसरों के लिए भी सुरक्षा और शांति का माध्यम बनता है। इस दृष्टि से भैया दूज का ऐतिहासिक पर्व भाई-बहन के पवित्र एवं पावन रिश्ते को एक नया विश्वास एवं सौहार्द का शिखर देने का पर्व है।

भैया दूज हमें अंतत: यही सिखाता है कि रिश्ते मांगने से नहीं, निभाने से मजबूत होते हैं। प्रेम बांटने से घटता नहीं, बढ़ता है, विश्वास देने से टूटता नहीं, गहरा होता है। इसलिए इस बार भैया दूज पर केवल तिलक और मिठाई की रस्म पूरी न करें, बल्कि एक-दूसरे के प्रति सम्मान, सहयोग और संवेदना का संकल्प लें। जब रिश्तों में स्वार्थ की जगह समर्पण, औपचारिकता की जगह आत्मीयता और प्रदर्शन की जगह संस्कार होंगे, तभी भैया दूज वास्तव में सार्थक होगा। दीपावली के दीपों के बीच यह पर्व हमें यही संदेश देता है-घर का उजाला बिजली से नहीं, रिश्तों की गर्माहट से होता है और जिस समाज के रिश्ते जीवंत हों, उसकी संस्कृति कभी अंधकार में नहीं जा सकती।

महामंडलेश्वर बाबूगिरी महाराज के सानिध्य में तैयार हुआ अन्नकूट का महाप्रसाद वितरित

संकटमोचन हनुमान मंदिर में अन्नकूट का प्रसाद पाने के लिए उमड़े भक्त





लोकजीवन न्यूज सर्विस, भीलवाड़ा

गोवर्धन पूजा पर्व पर मंगलवार शाम शहर के संकटमोचन हनुमान मंदिर में अन्नकूट महाप्रसाद पाने के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। सांयकाल मंदिर में महामंडलेश्वर बाबूगिरीजी महाराज द्वारा महाआरती के बाद उनके सानिध्य में जैसे ही अन्नकूट का स्वादिष्ट महाप्रसाद का वितरण शुरू हुआ उसे पाने के लिए भक्तगण उमड़े पड़े।

शहर के हर क्षेत्र से भक्तगण अन्नकूट का महाप्रसाद पाने के लिए पहुंचे थे। हनुमानजी महाराज के जयकारों की गूंज के बीच महाप्रसाद वितरण चलता रहा। अन्नकूट का प्रसाद पाने के लिए मंदिर के बाहर लंबी कतारे लग गई। अन्नकूट का प्रसाद पाने के लिए लंबी कतारों में लगे भक्तों को कोई परेशानी नहीं आए इसके लिए भी विशेष प्रबंध किए गए थे। पचास हलवाईयों की टीम ने पांच हजार किलो से अधिक विभिन्न तरह की सब्जियों का उपयोग करते हुए अन्नकूट का महाप्रसाद तैयार किया था। इसे तैयार करने में तेल के 25 से अधिक टिन एवं सात टिन से अधिक शुद्ध घी का उपयोग हुआ। स्वादिष्ट सब्जियों के साथ चावल एवं चवले भी बनाए गए। सब्जी तैयार करने में पनीर के साथ काजू,बादाम, किशमश, पिस्ता, केसर आदि का भी उपयोग किया गया। सब्जियों का जायका बढ़ाने के लिए तेज पता, लौंग, दालचीनी, इलायची, गरम मसाला आदि का भी तड़का लगाया गया। अन्नकूट के प्रसाद में मरके, गुलाबजामुन आदि विभिन्न तरह की मिठाईयां भी शामिल थी। अन्नकूट के अवसर पर हनुमानजी महाराज को विशेष चोला भी च?ाया गया। अन्नकूट के लिए सब्जियां एवं मिठाई तैयार करने का कार्य सुबह से व्यापक स्तर पर शुरू हो गया। अन्नकूट महाप्रसाद तैयार एवं वितरित कराने के कार्य में मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी महावीर अग्रवाल, सांवरमल बंसल,रमेश बंसल, मुकेश अग्रवाल, गोपाल बंसल, राजकुमार बिरावत आदि के साथ कई भक्तों ने भी समर्पित भाव से अपनी सेवाएं प्रदान की। समाज के हर वर्ग ने इस आयोजन को सफल बनाने में सहभागिता निभाई।

दीपावली सजावट में नेताजी सुभाष मार्केट और सर्कल सजावट में सूचना केन्द्र चौराहा रहा प्रथम

यूनेस्को द्वारा दीपावली सजावट प्रतियोगिता 2026

लोकजीवन न्यूज सर्विस, भीलवाड़ा



दीपावली के अवसर पर जिला यूनेस्को एसोसिएशन एवं जवाहर फाउण्डेशन द्वारा सामुहिक सजावट को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से आयोजित दीपावली सजावट प्रतियोगिता-2026 का सामूहिक सजावट में प्रथम पुरस्कार नेताजी सुभाष मार्केट, द्वितीय पुरस्कार सदर बाजार तथा सार्वजनिक सर्कल के लिए सूचना केन्द्र चौराहे को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया जायेगा।

प्रदेश संयोजक गोपाललाल माली ने बताया कि जिला यूनेस्को एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष दिनेश जैन की अध्यक्षता में गठित निर्णायक मण्डल के सदस्यों पूर्व अध्यक्ष चेतन मानसिंहका, मधु लोढा, हरनारायण माली, विशाल विजयवर्गीय, कमलेश जाजू, राधा अग्रवाल, साधना मेलाना द्वारा शहर के श्रेष्ठ बाजारों व प्रतिष्ठानों का सजावट के लिए चयन किया गया। सामूहिक बाजार सजावट में तीसरा स्थान लाल बहादूर शास्त्री मार्केट को चुना गया। व्यक्तिगत सजावट के लिए संदीप बजाज चौराहा पुर रोड़ स्थित (स्वागत द्वार) राजस्थान टेंट हाउस प्रथम व महाराणी मार्केट स्थित आर.आर. आर्नामेंट (स्वागत द्वार व राम दरबार झांकी) द्वितीय स्थान पर रहे। तीसरे नम्बर पर मजदूर चौराहा स्थित (स्वागत द्वार) मानवी टेंट हाउस को चुना गया। वहीं विशेष पुरस्कार लक्ष्मी विला बागड़ एस को दिया जायेगा। सार्वजनिक सर्कल में गोल प्याऊ चौराहा को द्वितीय एवं राजीव गांधी चौराहा को तृतीय पुरस्कार मिला। वहीं व्यक्तिगत सजावट में सांत्वना पुरस्कार होटल रॉयल एम्बेसी को दिया जायेगा। निर्णायक कमेटी ने 6 से 9 नवम्बर तक विभिन्न बाजारों सहित सर्कलों व व्यक्तिगत सजावट का भी अवलोकन किया। भीलवाड़ा जिला यूनेस्को एसोसिएशन के अध्यक्ष ललित अग्रवाल व सचिव जगदीश चन्द्र मून्दड़ा ने बताया कि निर्णायक मण्डल की बैठक में लिये गये निर्णय के अनुसार सभी विजेताओं को आगामी कार्यक्रम में पुरस्कार के रूप में ट्रॉफी व प्रशंसा पत्र दिये जायेंगे।

साइकिल मैन मुकेश ने दीपावली पर दिया सेहत और खुशियों का अनूठा संदेश

लोकजीवन न्यूज सर्विस, भीलवाड़ा



रोशनी के पावन पर्व दीपावली पर जहां चारों तरफ पारंपरिक रंगों और दीयों की बहार है, वहीं भीलवाड़ा के साइकिल मैन मुकेश कुमावत ने रंगों से साइकिल के आकार की रंगोली बनाकर सबको हैरान कर दिया है। मुकेश कुमावत ने इस अनूठी कलाकृति के माध्यम से त्योहार की ढेरों खुशियों के साथ-साथ आम जनता को अच्छे स्वास्थ्य और फिटनेस का एक बेहद जरूरी संदेश दिया है। अपनी अनोखी साइकिल यात्राओं और फिटनेस अभियानों के लिए पहचाने जाने वाले मुकेश कुमावत ने इस बार दीपावली के चौक पर रंगों से हूबहू एक खूबसूरत साइकिल की आकृति उकेरी।

इस साइकिल रंगोली को पारम्परिक दीयों से रोशन किया गया। त्योहार के पारंपरिक उल्लास के बीच बनी साइकिल की यह कलाकृति हर आने-जाने वाले के लिए आकर्षण का केंद्र बनी रही और लोगों ने इसके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। इस रचनात्मक पहल के बारे में बताते हुए मुकेश कुमावत ने कहा, दीपावली का त्योहार हमारे जीवन में नया प्रकाश लेकर आता है। लेकिन वास्तविक प्रकाश तभी संभव है जब हमारा शरीर और स्वास्थ्य उत्तम हो। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में साइकिल चलाना न सिर्फ हमें दिल और फेफड़ों की बीमारियों से दूर रखता है, बल्कि मानसिक रूप से भी फिट बनाता है। त्योहार की खुशियां दोगुनी तब होंगी, जब हम अपनी सेहत का भी ख्याल रखेंगे।

वाल्मीकि समाज सफाई कर्मियों की सेवाओं को नमन - कोठारी



लोकजीवन न्यूज सर्विस, भीलवाड़ा

अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष रामदेव चनाल ,नगर अध्यक्ष राजेश मल्होत्रा के नेतृत्व में दीपो उत्सव पर बड़ी संख्या में संगठन पदाधिकारीयो के साथ विधायक अशोक कुमार कोठारी के निवास पर उपस्थित हो, शिष्टाचार भेंट कर, दीपावली की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर आपने बताया आप प्रथम ऐसे विधायक हैं, जिन्होंने वाल्मीकि समाज के बारे में विधानसभा में विषय को उठाया, भर्तियों में अनुभव प्रमाण पत्र, तथा संविदा कर्मियों की नई भर्तीयो का जो विषय अपने राजस्थान विधानसभा में रखा। इस अवसर पर कोठारी ने कहा वाल्मीकि समाज सफाई कर्मियों की सेवाओं को हम नमन, वंदन करते हैं, तथा आपसे अनुरोध करते हैं मानव जीवन बहुत ही दुर्लभ है, इसको सफल बनाने का प्रयास हमको करना चाहिए। इस अवसर पर कमलेश कोटियाना, छीतरमल गेंगट, शिवचरण घावरी, भेरुलाल मल्होत्रा, रितेश मल्होत्रा, शिव कुमार घावरी, मुकेश गहलोत, ताराचंद की घावरी, हेमंत, छोटू लाल, प्रवीण अटवाल, राजेंद खोखर, राकेश गेंगट , राजेश गोरन के साथ ही बड़ी संख्या में वाल्मीकि वाल्मीकि समाज जन उपस्थित थे।

पेंशनर्स समाज का दीपावली स्नेहमिलन कल

लोकजीवन न्यूज सर्विस, भीलवाड़ा

राजस्थान पेंशनर्स समाज का जिला स्तरीय दीपावली स्नेमिलन कार्यक्रम 12 नवम्बर को हरनी महादेव के समीप निजी रिज़ॉर्ट में आयोजित किया जा रहा है।कार्यालय एवं आयोजन सचिव सत्यदेव व्यास ने बताया कि पेंशनर्स समाज के जिला अध्यक्ष निर्मल कुमार जैन की अध्यक्षता में दीपावली स्नेहमिलन कार्यक्रम में गीत संगीत ,कविताएं , जन्मदिन मनाने सहित विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।कार्यक्रम को लेकर महासचिव भूपेंद्र दत्ता, शांति लाल जैन, गोपाल गग्गड,मोहम्मद असलम,डॉक्टर फरियाद मोहम्मद ,भवानी शंकर शर्मा,राम निवास तोलंबिया , रमेश भट्ट को सफल आयोजन को लेकर विभिन्न कार्यदायित्व सौपे गए है।

धूमधाम से मनाया यादेश्वर महादेव मंदिर में अन्नकूट महोत्सव



बिजयनगर। दीपावली पर्व गोर्वधन पूजा के दिन दरबार कालोनी स्थित यादेश्वर महादेव मंदिर में भगवान की महाआरती कर भगवान को अन्नकूट का भोग लगाकर धर्मावलंबियों में महाप्रसाद का वितरण किया गया। यादेश्वर महादेव मंदिर समिति के रमेश चंद्र शर्मा ने बताया कि अन्नकूट महोत्सव में दरबार कालोनी सहित अन्य क्षेत्रों के लोगों ने महाप्रसाद ग्रहण कर लाभ उठाया। इस दौरान पालिका पार्षद प्रतिनिधि प्रघुम्न व्यास,दिनेश कुमार शर्मा, ज्ञानदेव व्यास, रुपचंद नाबेड़ा, करणसिंह, सुभाष चन्द्र पंचोली, तिलक मेवाड़ा, अंकित दाधीच, विजय कुमार बिंदल, पंडित श्याम सुंदर वैष्णव, हनुमान प्रसाद वैष्णव , पकंज दाधीच सहित अन्य सदस्यों ने सेवाएं प्रदान की।

चारभुजानाथ मदिर में सुंदरकांड के साथ धराया ठाकुर जी को छप्पन भोग



गुलाबपुरा। धार्मिक आस्था, भक्ति और उल्लास के बीच मंगलवार को स्थानीय श्री चारभुजानाथ मंदिर में अमावस्या भोग समिति के तत्वावधान में छप्पन भोग एवं अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर भक्ति के रंग में सराबोर नजर आया। गायक कलाकार लव-कुश बंधुओ द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ की प्रस्तुति दी गई, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।। ठाकुर की राजेंद्र कुमार एवं पार्षद सीमा राहुल चौरड़िया परिवार की ओर से छप्पन भोग अर्पित किए गए। आयोजन में नगर पालिका चेयरमैन विष्णु देवी सुनील वैष्णव, सांवरिया मल्टीवेंचर लिमिटेड के चेयरमैन राजाराम वैष्णव, पालिका उपाध्यक्ष रामदेव खारोल, पार्षद पारसी देवी गुर्जर, मंजुला मेवाड़ा, किरण कंवर, रीना कंवर, शिवराज सिंह, महेंद्र सिंह जमोला, नरेश चौधरी, महावीर लढ़ा, महावीर सरड़ा, आशीष दाधीच, वैभव कुशवाह, अनुराग कांकरिया, कान्हा मेहता, मोहित गोखरू, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। राहुल चोरडिया ने सभी का आभार ज्ञापित किया।

पेच के बालाजी पर 21 हजार किलो अन्नकूट का प्रसाद बांटा

लोकजीवन न्यूज सर्विस, भीलवाड़ा



धर्मनगरी में अब अन्नकूट महोत्सव की रौनक छा गई है। दीपावली के पावन पर्व के बाद शहर के प्रमुख बालाजी मंदिर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ अन्नकूट महोत्सव मनाया गया।

पेच के बालाजी मंदिर से लेकर संकट मोचन हनुमान मंदिर और रेलवे स्टेशन स्थित मंदिर तक अन्नकूट की जोरदार तैयारियां चल रही हैं। इस बार पेच के बालाजी मंदिर में अन्नकूट महोत्सव का आयोजन विशाल स्तर पर किया जा रहा है, संकट मोचन हनुमानजी मंदिर में महंत बाबू गिरी महाराज के सानिध्य में यह आयोजन आस्था, सेवा और समर्पण का प्रतीक बन चुका है। प्रबन्धक हर्ष आंचलिया ने बताया नगर सेठ अनिल मानसिंहका की ओर से आयोजित इस धार्मिक आयोजन में करीब 150 हलवाईयों ने प्रसाद तैयार किया। बजरंग मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष अनिल कुमार मानसिंहका एवं पंडित आशुतोष शर्मा ने बताया कि प्रसाद पकाने के लिए 100 हलवाइयों और 50 सेवादारों की विशेष टीम लगी। श्रीनाथजी नाथद्वारा की प्रेरणा के अनुसार श्री हनुमानजी महाराज के समक्ष चावल से गिरिराज स्वरूप का भोग धराया गया। जिसके लिए 41 कट्टे चावल, 31 कट्टे चवले, 10 टिन देशी घी और 40 टिन तेल का उपयोग किया गया। इसके अलावा करीब 500 किलो मिठाई भी तैयार की गई । सब्जियों को काटने के लिए मशीनों का प्रयोग किया गया। बालाजी मंदिर परिसर में ही भोग तैयार कर श्रद्धालुओं में वितरित किया जाएगा। शाम 6.15 बजे महाआरती के बाद भगवान को भोग लगाकर श्रद्धालुओं में महाप्रसाद वितरित किया गया। मुख्य डाकघर के निकट स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर में महंत बाबू गिरी के सानिध्य में तथा रेलवे स्टेशन स्थित हठीले हनुमान मंदिर में पुजारी बालकृष्ण शर्मा के मार्गदर्शन में विशेष अन्नकूट और चूरमा चढ़ाकर भोग लगाया।

अन्नपूर्णा रसोई में सुबह के नाश्ते की व्यवस्था शुरू, राहगीरों को मिलेगी राहत



आसींद। स्थानीय बस स्टैंड स्थित अन्नपूर्णा रसोई में प्रशासनिक अधिकारियों, समाजसेवियों और स्थानीय भामाशाहों के साझा प्रयासों से एक अनुकरणीय जनकल्याणकारी पहल की शुरुआत हुई है। दोपहर और शाम के मुख्य भोजन के साथ-साथ अब जरूरतमंदों और यात्रियों के लिए सुबह के नाश्ते की व्यवस्था भी शुरू कर दी गई है। जनसहयोग की भावना से प्रारंभ की गई इस नई व्यवस्था से प्रतिदिन बस स्टैंड आने वाले सैकड़ों यात्रियों, दिहाड़ी मजदूरों तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को बहुत बड़ा संबल मिलेगा। बुधवार को नाश्ता वितरण व्यवस्था के विधिवत शुभारंभ के अवसर पर समाजसेवी निर्मल मेहता ने स्वयं अन्नपूर्णा रसोई परिसर का दौरा किया। उन्होंने मौके पर उपस्थित रहकर वितरण प्रणाली और परोसे जा रहे नाश्ते की गुणवत्ता का सूक्ष्मता से जायजा लिया। इस दौरान बस स्टैंड पहुंचे अनेक राहगीरों व स्थानीय लोगों ने बैठकर पौष्टिक नाश्ता ग्रहण किया और प्रशासन तथा भामाशाहों के इस मानवीय कदम की खुले दिल से प्रशंसा की। यह सामूहिक प्रयास क्षेत्र में सामाजिक सरोकार की एक नई मिसाल पेश कर रहा है। निरीक्षण के समय रसोई संचालन से जुड़े प्रतिनिधि, अग्रणि कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे।

सूचना

स्टेट लेवल एन्वायरन्मेन्ट इम्पेक्ट एसेसमेन्ट ऑथोरिटी जयपुर (राज) के पत्र क्रमांक File No: R)/25/SEAC-4(06)/MIN/EC/0187, दिनांक 17/10/2026 द्वारा **मेसर्स आर. महादेव ग्रेनाइट्स**, पता- वार्ड नंबर 1, अजमेर रोड, राम भवन के पीछे, जोशी कॉलोनी, केकड़ी, अजमेर (राज.) के पक्ष में स्वीकृत खनन पट्टा संख्या 36/2024 क्षेत्रफल 1.2126 हैक्टर, निकट ग्राम झालरा, तहसील आसींद, जिला भीलवाड़ा (राज.) के पक्ष में पर्यावरण क्लीरियेन्स जारी कि गई है। पर्यावरण क्लीरियेन्स की प्रति राजस्थान प्रदुषण नियंत्रण मण्डल (राज.) (SEIAA) राजस्थान जयपुर व सम्बन्धित विभागों में उपलब्ध है तथा इसे राजस्थान प्रदुषण नियंत्रण मण्डल की वेबसाईट www.rpcb.nic.in पर भी देखी जा सकती है।

कार्यालय नगर विकास न्यास, भीलवाड़ा

क्रमांक: नियमन / FY26-27/MUT/5293

आम सूचना

एतद्द्वारा फैशन सूटिंग्स प्रा. लि. राजस्व ग्राम आटून की आराजी 1181 का भाग, 1182 गैर योजना में कृषि भूखण्ड संख्या 9 की साईज 25x60 = 166.66 वर्गगज का नियमन नगर विकास न्यास, भीलवाड़ा द्वारा किया गया।

उक्त भूखण्ड पार्टनर से जी एस ड्रीम हॉम एल.एल.पी श्री अनमोल गोयल पुत्र श्री अनिल गोयल के द्वारा श्री शंकर लाल अग्रवाल पुत्र जी. एल. अग्रवाल को विक्रय किया गया एवं इनके द्वारा श्री देवांश अग्रवाल पुत्र नवनीत अग्रवाल को बक्षीस नामा किया गया।

श्री देवांश अग्रवाल पुत्र नवनीत अग्रवाल द्वारा उक्त भूखण्ड के नामान्तरण हेतू न्यास में ऑन लाईन आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया हैं। अत: सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त भूखण्ड के नामान्तरण बाबत् यदि किसी भी व्यक्ति या संबंधित को कोई उजर / एतराज / आपत्ति हो तो विज्ञापन दिनांक से सात दिवस में अपनी आपत्ति मय सबूत/ दस्तावेज प्रस्तुत करें। बाद गुजरने मियाद यदि किसी व्यक्ति या संबंधित द्वारा कोई आपत्ति प्रस्तुत की जाती है तो स्वीकार नहीं की जावेगी तथा भूखण्ड का नामान्तरण आवेदक के पक्ष में निर्विवाद मानते हुए कर दिया जावेगा तथा न्यास बाद में होने वाले किसी भी विवाद के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।

प्रभारी अधिकारी
नगर विकास न्यास भीलवाड़ा

प्रपत्र संख्या 7 (देखिए नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, अजमेर संभाग, अजमेर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों का (नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

कार्यालय राजस्थान लोक सेवा आयोग के सामने, कांकरदा भूणाभाय, जयपुर रोड, अजमेर मुकदमा नम्बर 82/भीलवाडा/2026

चूंकि श्री सुरेश गणपतीलाल शर्मा अध्यक्ष ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम, 1959 की धारा 17 के अन्तर्गत राजदर्शन सामाजिक सेवा ट्रस्ट, प्लांट नम्बर 13 सगस जी के पास, गायत्री नगर भीलवाडा के पंजीयन हेतु प्रन्यास के संबंध में जाँच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है। अत: एवं धारा 18 की उप धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास, जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से 60 दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियाँ, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियों प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित नीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रपत्र मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जाएगा। आज दिनांक 03.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय की मोहर के अधीन जारी किया गया।

आगामी तारीख पेशी : 18/01/2027

गिरीश कुमार बचानी
सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, अजमेर

ड्राई फ्रुट से किया गोवर्धन जी की प्रतिमा का श्रृंगार



गुलाबपुरा। श्री माधव गौ उपचार गुलाबपुरा में मंगलवार को गोवर्धन पूजा पर्व धार्मिक आस्था और परम्परागत उल्लास के साथ मनाया गया। ड्राई फ्रुट से गोवर्धन जी की प्रतिमा का श्रृंगार किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ गुलाबपुरा नगरपालिका अध्यक्ष विष्णु देवी वैष्णव, चेयरमैन प्रतिनिधि सुनील वैष्णव, सांवरिया माल्टीवेंचर्स चेयरमैन राजाराम वैष्णव ने गौमाता का पूजन कर किया। चेयरमैन साहब द्वारा सभी पीड़ित गौवंश को पंचमेवा युक्त आयुर्वेदिक लापसी का भोग लगाया गया। अध्यक्ष साहिबा ने उपचार केंद्र के सेवा संकल्प को सराहा। भविष्य में सभी प्रकार के सहयोग का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर दाता सांवरा धाम महंत जगदीश वैष्णव द्वारा श्री माधव गौ उपचार केंद्र गुलाबपुरा को 11000 रूपये का आर्थिक सहयोग प्राप्त हुआ। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह राठौड़, उपाध्यक्ष राहुल चौरडिया, मोहनी देवी प्रजापत, हुरड़ा पूर्व प्रधान कृष्णा सिंह राठौड़, पीयूष मेवाड़ा, कृष्णगोपाल त्रिपाठी, पार्षद पारसी देवी गुर्जर, सौरभ टाटीवाल, मनोज सिसोदिया, किरण कंवर सहित श्री माधव गौ उपचार केंद्र गुलाबपुरा के माणक चंद जैन, कमल शर्मा, कन्हैया लाल सोनी, सत्यनारायण प्रजापत, नवनीत जांगिड, मुकेश कुमार शर्मा, शांतनु शर्मा, सांवर लाल भील, रामकिशोर चंडक, अरविंद सहित गौभक्त उपस्थित रहे। संस्था संरक्षक किशोर राजपाल ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

गाडरी समाज सेवा संस्थान ने 1251 दीपक प्रज्वलित कर मनाया दीपोत्सव

लोकजीवन न्यूज सर्विस, भीलवाड़ा



गाडरी समाज सेवा संस्थान पांसल की ओर से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी चारभुजानाथ बड़े मंदिर में भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के पदाधिकारियों एवं समाज के सदस्यों द्वारा भगवान चारभुजानाथ के मंदिर परिसर में 1251 दीपक प्रज्वलित किए गए। दीपों की रोशनी से मंदिर परिसर जगमगा उठा और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम के दौरान भगवान चारभुजानाथ की विधिवत पूजा-अर्चना कर समाज एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उन्नति की कामना की गई। इसके पश्चात श्रद्धालुओं एवं उपस्थित लोगों को प्रसाद वितरण किया गया। संस्थान के इस आयोजन से सामाजिक एकता, धार्मिक आस

सुवालका समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन 20 को, 61 जोड़ों का हुआ पंजीयन



भीलवाड़ा। राजस्थान सुवालका कलाल महासभा संस्थान के तत्वावधान में 20 नवंबर को आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर समाज में उत्साह का माहौल है। सम्मेलन की तैयारियों के तहत नेहरू विहार रिंग रोड, भीलवाड़ा स्थित सुवालका भवन परिसर में दीपावली स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्रदेशाध्यक्ष कैलाश सुवालका (सांगानेर) ने बताया कि समारोह में सामूहिक विवाह समिति एवं समाजजनों की उपस्थिति में सर्वप्रथम विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ तुलसी माता एवं भगवान शालिग्राम जी विवाह के प्रथम लग्न पत्रिका के बाद शेष 60 वर-वधू जोड़ों को मांगलिक विवाह लग्न प्रदान किए गए। सामूहिक विवाह सम्मेलन के लिए कुल 61 जोड़ों का पंजीयन हुआ है। महापौर श्रीमती जसवंत कंवर के मुख्य आतिथ्य में आयोजित दीपावली स्नेह मिलन समारोह में पंचायती राज चुनाव में सर्वाधिक मतों से जीत हासिल करने वाली मांडल ग्राम पंचायत की नवनिर्वाचित सरपंच श्रीमती ज्योति विकास सुवालका सहित समाज के सभी नवनिर्वाचित पार्षदों, सरपंचों, उपसरपंचों एवं वार्ड पंचों का सम्मान एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर कार्यकारिणी महामंत्री सत्यनारायण बाबाधाम, श्यामलाल गेता पारोली, बाबूलाल गंगरार, कोषाध्यक्ष अशोक कुमार रमाविहार, उपाध्यक्ष लादूलाल सुरास, सुरेश कुमार जवाहर नगर, सचिव देवेंद्र कुमार पीथास, भीलवाड़ा जिलाध्यक्ष श्यामलाल आजादनगर, वरिष्ठजन बालचंद गांगलास, भंवरलाल आजादनगर, लक्ष्मीलाल सबलपुरा, सम्पतलाल घेवरिया, भेरूलाल भीमगढ़, रामेश्वरलाल नीम का खेड़ा, प्रभुलाल फुकिया, प्रभुलाल बावलास एवं प्रेम कुमार खारीखेड़ा सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। प्रवक्ता हीरालाल सुवालका (नीम का खेड़ा) ने बताया कि 20 नवंबर को होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर संपूर्ण समाज तैयारियों में जुटे हुए हैं।

अरवड़ में 102 वर्ष पुरानी केसर री मनवार परंपरा का आयोजन
सामाजिक एकता और सद्भाव का दिखा अनूठा संगम



अरवड़। स्थानीय कस्बे में दीपावली के अवसर पर आयोजित होने वाली वर्षों पुरानी सांस्कृतिक परंपराओं का निर्वहन आज भी पूरे उत्साह, आपसी भाईचारे और सामाजिक समरसता के साथ किया जा रहा है। अन्नकूट पर्व पर गांव की हथाई पर 102 वर्ष पुरानी विशिष्ट परंपरा केसर री मनवार का आयोजन किया गया। दीपोत्सव के पावन पर्व पर रामा-श्यामा के इस अवसर पर छब्बीस (36) कौम के लोग बड़ी संख्या में एकत्रित हुए, जिन्होंने आपसी प्रेम, सद्भाव और सामाजिक एकता का सशक्त संदेश दिया। इस विशिष्ट कार्यक्रम की मेजबानी कानावत परिवार की ओर से की गई। प्रभु सिंह कानावत ने बताया कि पूर्वजों से विरासत में मिली इस समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाना उनके परिवार के लिए बड़े सौभाग्य की बात है। इस अनूठी परंपरा के तहत वर्षभर के दौरान जिन परिवारों में किसी सदस्य का निधन हो जाता है, उनके शोक संतप्त परिजनों को गांव की हथाई पर विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता है। इसके पश्चात उन्हें केसर की मनुहार दी जाती है और पारंपरिक रूप से शोक तुड़वाने की रस्म निभाई जाती है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य शोकाकुल परिवारों को सामाजिक मुख्यधारा से फिर से जोड़ना तथा आपसी प्रेम, भाईचारे और सद्भाव को और अधिक मजबूत करना है। इसके माध्यम से समाज के लोगों के बीच वर्षभर के आपसी गिले-शिकवे और दूरियां भी आसानी से दूर हो जाती हैं। इस पारंपरिक आयोजन में गांव की सभी जातियों और वर्गों के लोगों की सक्रिय एवं सामूहिक भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम के अंतिम चरण में ग्रामीणों ने पारंपरिक हिड़ गायन की शुरुआत की। इसके उपरांत, ग्रामीणों की टोलियां देर रात 11 बजे तक गांव की गलियों में घूम-घूमकर उत्साह के साथ हिड़ गायन करती रहीं। इस प्रकार, दीपावली के इस पर्व पर गांव में सामूहिक सहभागिता और सांस्कृतिक एकता का एक अद्भुत और अनूठा संगम देखने को मिला, जिसने सभी का मन मोह लिया।

तीन साल पूरे होने पर भजनलाल सरकार जनता को देगी रिपोर्ट कार्ड एवं कई सौगातें

लोकजीवन न्यूज नेटवर्क, जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली राजस्थान सरकार अगले महीने अपने तीन साल पूरे करने जा रही है। इस मौके पर सरकार प्रदेश की जनता के सामने अपने तीन साल के कामकाज का लेखा-जोखा रखेगी। इसके साथ ही युवाओं, महिलाओं, किसानों और छात्राओं के लिए कई नई सौगातें देने की तैयारी भी है।

सरकार की ओर से पेपर लीक पर रोक लगाने और सरकारी नौकरियों में एक लाख 93 हजार नियुक्तियां देने को प्रमुख उपलब्धियों के रूप में पेश किया जाएगा। वहीं, निजी क्षेत्र में पांच लाख रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का दावा भी रिपोर्ट कार्ड में शामिल होगा।

तीन साल पूरे होने के मौके पर आठ दिसंबर से 25 दिसंबर तक प्रदेशभर में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इनमें छात्राओं को स्कूटी और साइकिल बांटने, युवाओं को नियुक्ति पत्र देने, किसानों को आर्थिक सहायता और नई सहकारिता नीति जारी करने जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। शहरों और गांवों में आम लोगों की समस्याओं का मौके पर समाधान करने के लिए सात दिन के विशेष शिविर भी लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री स्तर पर कार्यक्रमों को अंतिम मंजूरी मिलने के बाद इनकी आधिकारिक घोषणा की जाएगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 15 दिसंबर 2023 को पद की शपथ ली थी।



आठ से 25 दिसंबर तक कब-कब होंगे कार्यक्रम?

सरकार ने तीन साल पूरे होने के मौके पर अलग-अलग तारीखों के लिए कार्यक्रमों का प्रस्ताव तैयार किया है।

- **8 दिसंबर:** प्रवासी राजस्थानियों के साथ उद्योग, पर्यटन, ऊर्जा, शहरी विकास और खनन क्षेत्र पर छह सत्र होंगे। उद्योगपतियों और राजस्थान फाउंडेशन के चैप्टर्स के साथ बैठकें भी होंगी।
- **10 दिसंबर:** राइजिंग राजस्थान समिट के तहत मिले निवेश प्रस्तावों से जुड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन और ग्राउंड ब्रेकिंग होगी।
- **11 दिसंबर:** राजस्थान फाउंडेशन के चैप्टर्स के साथ संवाद होगा।
- **12 दिसंबर:** सरकार की तीन साल की उपलब्धियों को बताने के लिए सभी जिलों में विकास रथ रवाना किए जाएंगे।
- **13 दिसंबर:** प्रदेश के सभी जिलों में 15 दिवसीय सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान शुरू होगा।
- **14 दिसंबर:** स्वच्छ भारत अभियान के तहत सात दिवसीय कार्य म शुरू होगा। सरकारी कार्यालयों में एक घंटे का सफाई अभियान चलाने के साथ मंदिरों और स्मारकों की सफाई की जाएगी।
- **15 दिसंबर:** श्रमिकों, विद्यार्थियों और पीएम आवास के लाभार्थियों को सहायता राशि दी जाएगी।
- **16 दिसंबर:** स्टार्टअप कॉन्क्लेव और आई-स्टार्ट कार्य म आयोजित होगा।
- **17 दिसंबर:** सभी जिलों में सात दिवसीय जनसमस्या समाधान शिविर शुरू होंगे।
- **18 दिसंबर:** छात्राओं को स्कूटी और साइकिल वितरण सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत सहायता दी जाएगी।
- **19 दिसंबर:** प्रदेशभर में रन फॉर विकसित कार्य म होगा।
- **21-22 दिसंबर:** जयपुर में दो दिवसीय राज्य स्तरीय रोजगार मेला लगेगा।
- **23 दिसंबर:** नई सहकारिता नीति जारी होगी और 65 गोदामों का लोकार्पण होगा।-
- **24 दिसंबर:** किसान सम्मान निधि और दूसरी कृषि योजनाओं के तहत अनुदान राशि दी जाएगी।
- **25 दिसंबर:** जयपुर में सुशासन दिवस का राज्य स्तरीय समारोह होगा। सुबह 9:30 बजे सचिवालय सहित जिलों, उपखंडों और अटल सेवा केंद्रों पर सुशासन की शपथ दिलाई जाएगी। इसी दिन विधानसभा क्षेत्रों में निकाली जा रही विकास रथ यात्राओं का समापन भी होगा।

तीन साल पूरे होने पर आम लोगों को क्या मिलेगा?

सरकार के प्रस्तावित कार्य में में युवाओं, छात्राओं, किसानों और जरूरतमंद परिवारों को सीधे लाभ देने पर जोर है। प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार हैं।

1. छात्राओं को स्कूटी और साइकिल: 18 दिसंबर से प्रदेशभर में छात्राओं को स्कूटी और साइकिल वितरण की शुरुआत होगी। इसी दिन पालनहार योजना, लाडो योजना और मुख्यमंत्री गैस सब्सिडी योजना के लाभार्थियों को भी सहायता राशि देने का प्रस्ताव है। लखपति दीदियों को ऋण सहायता भी दी जाएगी।

2. युवाओं को नियुक्ति पत्र: 21 और 22 दिसंबर को जयपुर के कॉमर्स कॉलेज परिसर में राज्य स्तरीय रोजगार मेला लगेगा। इसमें करीब 30 हजार युवाओं को सरकारी सेवाओं में चयन के बाद नियुक्ति या बधाई पत्र दिए जाएंगे।

3. गांव और शहरों में सात दिन के शिविर: 17 दिसंबर से सभी जिलों में सात दिवसीय शिविर शुरू होंगे। इनमें ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लोगों की अलग-अलग समस्याओं का मौके पर समाधान करने की कोशिश होगी।

4. किसानों को आर्थिक सहायता: 24 दिसंबर को किसान सम्मान निधि की राशि आवंटित की जाएगी। इसके साथ ही किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत अनुदान भी दिया जाएगा।

5. नई सहकारिता नीति: 23 दिसंबर को नई सहकारिता नीति जारी करने का प्रस्ताव है। इस मौके पर 30 प्रदर्शन स्टॉल लगाए जाएंगे और नवनिर्मित 65 गोदामों का लोकार्पण होगा।

6. श्रमिकों और विद्यार्थियों को सहायता: 15 दिसंबर को श्रमिक कल्याण योजनाओं, मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति और एससी-एसटी विद्यार्थियों की पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति के तहत राशि आवंटित की जाएगी। पीएम आवास योजना के लाभार्थियों को भी सहायता दी जाएगी।

तीन साल के रिपोर्ट कार्ड में सरकार किन उपलब्धियों को गिनाएगी?

सरकार ने अपने तीन साल के कामकाज की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने की तैयारी की है। इनमें प्रमुख रूप से ये बातें शामिल होंगी।

- **पेपर लीक पर रोक:** भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता बढ़ाने और पेपर लीक की घटनाओं पर लगाम लगाने के प्रयासों को प्रमुख उपलब्धि के तौर पर रखा जाएगा।
- **एक लाख 93 हजार सरकारी नियुक्तियां:** सरकार के अनुसार, अब तक एक लाख 93 हजार पदों पर युवाओं को नियुक्तियां दी गई हैं।
- **निजी क्षेत्र में पांच लाख रोजगार:** निजी क्षेत्र में करीब पांच लाख रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का दावा किया जाएगा।
- **अपराध पर नियंत्रण:** कानून-व्यवस्था में सुधार और अपराधों पर रोक लगाने के लिए किए गए प्रयासों का ब्योरा दिया जाएगा।
- **महिला स्वयं सहायता समूहों को ऋण:** राजीविका के स्वयं सहायता समूहों को बैंकों के माध्यम से 7,503 करोड़ रुपये का ऋण उपलब्ध कराने की उपलब्धि भी शामिल होगी।

जलिंद्री में दो महीने से खाद का संकट, किसान परेशान
निजी दुकानों पर खाद उपलब्ध, सहकारी समिति से आपूर्ति ठप; किसानों ने उठाए सवाल



बिजोलिया। बिजोलिया तहसील की जलिंदी ग्राम सेवा सहकारी समिति में पिछले दो महीने से खाद नहीं आने से किसानों की परेशानी बढ़ गई है। समिति से खाद नहीं मिलने के कारण किसानों को निजी दुकानों से महंगे दामों पर खाद खरीदनी पड़ रही है। ब्लॉक अध्यक्ष धनराज कुमार मेघवाल, रामकुमार मेघवाल, एडवोकेट शंकर लाल, दुर्गा लाल मेघवाल, भेरूलाल मेघवाल, सोनू और ओकेश ने बताया कि निजी दुकानों पर खाद उपलब्ध होने के बावजूद सहकारी समिति में आपूर्ति नहीं हो रही है। किसानों ने सवाल उठाया कि जब निजी दुकानों पर खाद मिल रही है, तो समिति में क्यों नहीं पहुंच रही?किसानों ने प्रशासन से समिति में तत्काल खाद उपलब्ध करवाने तथा दो महीने से आपूर्ति बंद रहने के कारणों की जांच कर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। किसानों का कहना है कि समिति से लाभ नहीं मिलने पर इसे बंद कर देना चाहिए।

गोवर्धन पूजा की धूम, अन्नकूट का भोग लगाकर की सुख-समृद्धि की कामना



बिजोलियां। कस्बे सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। दीपावली के दूसरे दिन आयोजित इस धार्मिक पर्व पर मंदिरों और घरों में भगवान गोवर्धन की पूजा-अर्चना कर अन्नकूट का भोग लगाया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान गोवर्धन से क्षेत्र में सुख-समृद्धि, खुशहाली और अच्छी फसल की कामना की। गोवर्धन पूजा के अवसर पर विभिन्न मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन हुए। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के गोवर्धन स्वरूप की पूजा कर पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार अन्नकूट का भोग अर्पित किया। इसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। मंदिरों में भजन-कीर्तन और पूजा-अर्चना के बीच भक्तिमय माहौल बना रहा। गोवर्धन पूजा को प्रकृति, गौवंश और अन्न के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का पर्व माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्र के प्रकोप से ब्रजवासियों की रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी अंगुली पर उठाया था। इसी परंपरा के तहत श्रद्धालु गोवर्धन पूजा कर भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अपनी आस्था प्रकट करते हैं। बिजोलिया सहित आसपास के गांवों में लोगों ने परिवार के साथ पूजा-अर्चना कर पर्व की खुशियां साझा कीं। अन्नकूट प्रसाद वितरण के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिला। धार्मिक आयोजनों ने क्षेत्र में आपसी भाईचारे, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूती प्रदान की।

हर्षोल्लास से मनाया,भगवान महावीर स्वामी का मोक्षकल्याणक व दीपावली पर्व

लोकजीवन न्यूज सर्विस, शाहपुरा

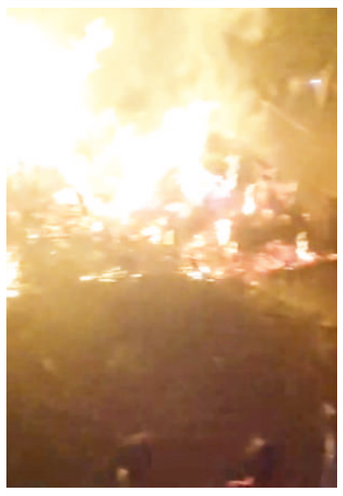
सकल दिगंबर जैन समाज द्वारा वर्तमान शासन नायक 24वें तीर्थंकर 1008 भगवान महावीर स्वामी का मोक्षकल्याणक पर्व, दीपावली पर्व एवं मंदिर शिखर पर ध्वजारोहण समारोह अत्यंत भक्ति भाव व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समाज अध्यक्ष आनंद सेठी व सदस्य महेंद्र जैन ने बताया कि कार्तिक कृष्ण अमावस्या के पावन अवसर पर नगर के सभी दिगंबर जैन मंदिरों–वेदों का मंदिर, कालाभाटा मंदिर, ऊपर चंदाप्रभु मंदिर, नया मंदिर तथा नसियां जी जैन मंदिर में प्रातःकाल



नित्यनियम पूजा-अर्चना की गई। इसके पश्चात 108 कलशों से भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न हुई। इस दौरान उपस्थित समस्त श्रावक-श्राविकाओं ने भगवान महावीर स्वामी के चरणों में निर्वाण लड्डू अर्पित कर महाआरती की। कार्य म की अगली कड़ी में वेदों के मंदिर शिखर पर मोदी परिवार द्वारा विधि-विधानपूर्वक ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर मंदिर कमेटी के अध्यक्ष नाथूलाल गदिया, मंत्री प्रभाचंद मोदी, कोषाध्यक्ष पारसमल जैन एवं समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। तत्पश्चात आयोजित शास्त्र सभा में जिनेंद्र जैन ने भगवान महावीर स्वामी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जन्म बिहार राज्य के कुंडग्राम में माता त्रिशला व पिता राजा सिद्धार्थ के घर चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को हुआ था। कार्तिक कृष्ण अमावस्या को बिहार के पावापुरी से उन्हें मोक्ष की प्राप्ति हुई, जिसे दीपावली के रूप में मनाया जाता है। भगवान महावीर ने विश्व को अहिंसा परमो धर्म का संदेश दिया, जिनके काल में शेर और बकरी एक ही घाट पर पानी पीते थे।

उन्होंने श्रद्धालुओं को माता-पिता की सेवा करने की प्रेरणा भी दी। इस धार्मिक आयोजन में आनंद सेठी, अशोक जैन, महेंद्र गदिया, अनिल जैन, मुकेश जैन, सुशील जैन, भागचंद जैन, राजेंद्र जैन, पीयूष जैन, पंकज जैन, महिला मंडल से रेणू जैन, रेखा जैन, लाडदेवी, कल्पना जैन, अंजना जैन, ज्योति जैन, नीलम जैन सहित नवयुवक मंडल व समाज के अनेक प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

आतिशबाजी से बाड़े में लगी आग, चारा जलकर राख
सरपंच मीणा ने पहुंचकर संभाली स्थिति



शाहपुरा। तहसील ग्राम पंचायत डाबला कचरा में हरि जी माली के बाड़े के सामने स्थित मुख्य सड़क पर पटाखों की आतिशबाजी के दौरान आग लग गई। बताया जा रहा है कि पटाखों से निकली चिंगारी बाड़े तक पहुंचने से आग लग गई, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। इस हादसे में बाड़े में रखा पशुओं का चारा जलकर राख हो गया। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार करीब एक लाख रुपये से अधिक का चारा नष्ट हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही सरपंच प्रेमचंद मीणा मौके पर पहुंचे और तत्काल फायर ब्रिगेड को बुलवाया। वहीं ग्रामीणों ने पानी के टैंकरों की सहायता से आग बुझाने के लिए काफी मशक्कत की। घटना के बाद सरपंच प्रेमचंद मीणा ने मौके पर उपस्थित ग्रामीणों से आग्रह किया कि पटाखे जलाने में लापरवाही बरतने वाले दोषियों की पहचान कर उनसे पीड़ित परिवार को हुए नुकसान की भरपाई करवाने तथा परिवार की सहायता के लिए सभी लोग एकजुट होकर सहयोग करें, ताकि इस मुश्किल घड़ी में पीड़ित परिवार को राहत मिल सके। इस घटना से हरि जी माली के परिवार को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सरपंच ने पंचायत क्षेत्र में पटाखों की आतिशबाजी पर प्रतिबंध लगाने की अपील की, ताकि इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके।

संतोष कॉलोनी मंदिर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मना अन्नकूट महोत्सव, महाप्रसाद लेने उमड़े श्रद्धालु



भीलवाड़ा। समिति मीडिया प्रभारी मनोज व्यास ने बताया कि संतोष कॉलोनी स्थित श्री चारभुजानाथ, महामृत्युंजय महादेव एवं हठीले हनुमान मंदिर में मंगलवार को अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। मंदिर समिति अध्यक्ष प्रभुलाल शर्मा एवं सचिव सुरेन्द्र भंडारी ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी महोत्सव उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर सायं 5 बजे भगवान की महाआरती की गई तथा 5:30 बजे ठाकुरजी को अन्नकूट का भोग अर्पित किया गया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया गया। महोत्सव को सफल बनाने में मंदिर समिति की समस्त कार्यकारिणी एवं सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संभाला। अंत में अध्यक्ष प्रभुलाल शर्मा ने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं, कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया।

27 बालक-बालिकाओं को सर्दी से बचाव के लिए स्वेटर वितरित



बिजयनगर। सेवा भारती समिति के तत्वावधान में संचालित बाल संस्कार केन्द्र में अध्ययनरत हैं 27 बालक बालिकाओं को स्वेटर वितरित किए गये। शहर के तारों का खेड़ा, चौसला एवं कजंर बस्ती में संचालित बाल संस्कार केन्द्रो व मेहंदी प्रशिक्षण केंद्रों सेवा भारती समिति के पदाधिकारियों ने मिठाई वितरण कर दीपावली का त्योहार स्नेह मिलन व सेवा सहयोग कार्य म आयोजित किया गया। जिसमें शर्मा परिवार के द्वारा बालक बालिकाओं को 75 स्वेटर वितरित करने का लक्ष्य रखा गया। वहीं कार्य म में उपस्थित 27 बालक बालिकाओं को एल एन शर्मा के नेतृत्व में स्वेटर वितरित किए गये। सेवा भारती के प्रखंड अध्यक्ष लक्ष्मण लाल शर्मा ने शर्मा परिवार के द्वारा सर्दी से बचाव के लिए बालक बालिकाओं को स्वेटर वितरित कर समाज में सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने का सेवा कार्य बताया। इस दौरान सेवा भारती के जिला अध्यक्ष सूर्य प्रकाश बघेरवाल, जिला सेवा प्रमुख लोकेश कुमार वर्मा, अध्यक्ष लक्ष्मण लाल शर्मा, तेजस्व शर्मा, करण सिंह, मातृशक्ति मंजू शर्मा, शालिनी शर्मा, प्रकल्प शिक्षिकाए पूजा शर्मा, हर्षिता गौड़ सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

आइजनकोट की शपथ से पहले ही इजरायल में हड़कंप



इजराइल। नई सरकार के गठन की कवायद शुरू हो गई है। राष्ट्रपति इसहाक हज़ोग ने गादी आइजनकोट को नई सरकार बनाने की जिम्मेदारी सौंपी है। लेकिन इसके साथ-साथ जो दूसरी बातें चल रही है। जब नई सरकार बनाने की कवायद यहां पर शुरू हुई है और हरजोग ने आयोजन कोर्ट को सरकार बनाने की जिम्मेदारी दे दी है तो इस दौरान राष्ट्रपति हज़ोग ने ईरान से जो खतरा हो रहा है उसको गंभीर बताया है। अब इसहाक हज़ोग ने इसे लेकर के कहा है कि ईरान ने अपनी धमकियां एक पल के लिए भी बंद नहीं की है। इजराइल में जिस तरीके से नेतृत्व का परिवर्तन हो रहा है, होता हुआ दिख रहा है,वह ईरान और इजराइल के संबंधों के क्या नई गाथा लिखने वाला है? यह सवाल सबके मन में है। लेकिन एक और बड़ी बात है कि हज़ोग राष्ट्रपति है इजराइल के, उन्होंने यह कहा कि इस मुद्दे से तुरंत निपटने की जरूरत है। जो ईरान को लेकर के और इजराइल के बीच में चल रहा है।

हज़ोग ने गाजा के लिए 20 सूत्री योजना को आगे बढ़ाने की बात कही है। इस 20 सूत्री योजना पर आगे का दारमदार पूरा टिका हुआ है कि आखिर इजराइल और ईरान के रिश्ते कैसे होने वाले हैं? आइजन कोर्ट के आने के बाद क्या ईरान और इजराइल के बीच में बहुत कुछ बदलने वाला है। क्या आइजन कोर्ट बड़ा फैसला लेने वाले हैं? इसे लेकर के भी चर्चाएं बहुत तेजी के साथ चल रही है। उन्होंने आईजीन कोर्ट से ऐसी सरकार बनाने की अपील की है जो उन सभी इजराइलियों का प्रतिनिधित्व करें। चाहे उन्होंने पिछली सरकार को वोट दिया हो या उसके विरोधी गठबंधन को वोट दिया हो। हज़ोग ने यह कहा है कि उनकी दिल से यह इच्छा है कि जो भी सरकार बने वह देश के सभी हिस्सों के बीच एकता जुड़ाव आपसी भरोसा बहाल करने का काम करें। आइजनकोट का बयान भी आया है और आप इस बयान के मायने समझिए। यह एक बड़ा संदेश है जो आइजनकोट जो है वो शपथ से पहले कह रहे हैं। आइजनकोट ने कहा है कि इजराइल मुश्किल दौर से गुजर रहा है। सरकार बनाने का न्योता आइजनकोट को मिला है और आइजनकोट का बयान पूरी दुनिया में छाया हुआ है। आइजनकोट ने कहा कि इजराइल इस समय बेहद चुनौतीपूर्ण और निर्णायक आपातकालीन दौर से गुजर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि देश कई मोर्चों पर जंग का लड़ाई का सामना कर रहा है। अलग-अलग मोर्चे हैं जहां पर इजराइल को सोचना है। अपनी दिशा को तय करना है और उस पर आगे बढ़ना है। अब आइजनकोट ने कहा कि ऐसे वक्त में जब इजराइल कई मोर्चों पर जंग का सामना कर कर रहा है। जबकि सेना के कई लक्ष्य अभी पूरे नहीं हुए हैं।

राजस्थान विधानसभा:25 साल में सदन कभी नहीं हुआ पूरा!

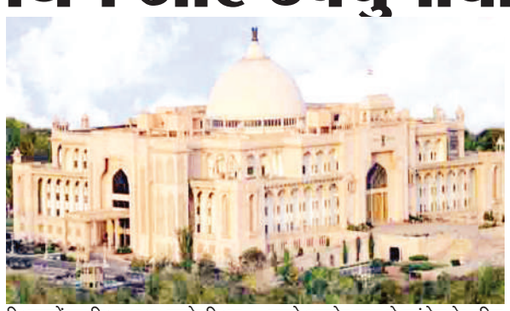
विधायकों के निधन और उपचुनावों का जारी रहा सिलसिला

लोकजीवन न्यूज नेटवर्क, जयपुर

राजस्थान विधानसभा में कुल 200 विधायकों के बैठने की व्यवस्था है, लेकिन एक दिलचस्प तथ्य यह है कि नई विधानसभा बनने के बाद से सदन में सभी 200 विधायकों के एक साथ बैठने का मौका नहीं आया। कभी किसी विधायक के निधन से सीट खाली हुई तो कभी सदस्यता जाने या सांसद बनने के कारण उपचुनाव की नौबत आई। अब बहरोड़ विधायक डॉ. जसवंत यादव के निधन के बाद एक बार फिर विधानसभा की एक सीट खाली हो गई है। नई विधानसभा के इतिहास में खाली कुर्सियों का यह सिलसिला लगातार चर्चा में रहा है। इसे लेकर समय-समय पर वास्तु दोष और भवन के शुद्धिकरण जैसी बातें भी उठती रही हैं। सदन में विधायकों की एंट्री से लेकर विधानसभा का इंटीरियर भी बदला गया, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने वैदिक मंत्रोच्चार और शुद्धिकरण जैसे धार्मिक अनुष्ठान भी करवाए। लेकिन विधानसभा 199 के फेर से बाहर नहीं आ पाई। हालांकि, विधानसभा में सदस्यों की संख्या पूरी नहीं हो पाने के पीछे राजनीतिक और व्यक्तिगत कारणों का लंबा इतिहास है।

25 साल में कई बार खाली हुईं विधायकों की कुर्सियां

राजस्थान विधानसभा का नया भवन फरवरी 2001 में शुरू हुआ था। उस समय 11वीं विधानसभा का सत्र पुराने भवन से नए भवन में शिफ्ट हुआ। इसके बाद से विधानसभा में कई विधायकों का कार्यकाल पूरा होने से पहले ही निधन हो गया। शुरुआती वर्षों में किशन मोटवानी, जगत सिंह दायमा, भीखा भाई, भीमसेन चौधरी, रामसिंह विश्नोई, अरुण सिंह और नाथूराम अहारी जैसे



विधायकों का निधन हुआ। इनके निधन के कारण संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव कराने पड़े।

कभी निधन तो कभी सदस्यता जाने से हुए उपचुनाव

विधानसभा में सीटें खाली होने का कारण केवल विधायकों का निधन नहीं रहा। कई बार राजनीतिक और कानूनी कारणों से भी उपचुनाव हुए। विधानसभा बिना उद्घाटन के शुरू हुई और सबसे पहले अजमेर उत्तर से कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक किशन मोटवानी का नवंबर 2001 में पद पर रहते हुए निधन हो गया। इनकी सीट पर 2002 में उपचुनाव हुआ। दिसंबर 2002 में बानसूर विधायक जगत सिंह दायमा के निधन के बाद सीट खाली हुई। इसके बाद सागवाड़ा, लूणी, डीग और डूंगरपुर में भी विधायकों के निधन के कारण उपचुनाव हुए। वसुंधरा राजे सरकार के कार्यकाल में धौलपुर के विधायक बीएल कुशवाह की सदस्यता जाने के कारण उपचुनाव हुआ। इसके बाद मांडलगढ़ में विधायक कीर्ति कुमारी के निधन से सीट खाली हुई। फरवरी 2018 में कल्याण सिंह चौहान और बाद में मुंडावर विधायक धर्मपाल चौधरी के निधन के कारण भी विधानसभा की सीटें खाली हुईं।

गहलोत सरकार में भी खाली होती रहीं सीटें

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की पिछली सरकार के दौरान भी विधानसभा को कई उपचुनावों का सामना करना पड़ा। इस अवधि में पंडित भंवरलाल शर्मा, किरण माहेश्वरी, मास्टर भंवरलाल मेघवाल और कैलाश त्रिवेदी का निधन हुआ। रामगढ़, सहाड़ा, सुजानगढ़, वल्लभनगर और राजसमंद विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव हुए। इन घटनाओं के चलते भी विधानसभा में सभी सदस्यों की मौजूदगी का सवाल बना रहा।

भजनलाल सरकार में भी नहीं टूटा खाली सीटों का सिलसिला

मौजूदा भजनलाल शर्मा सरकार के कार्यकाल में भी कई सीटों पर उपचुनाव हुए। खींवसर, चौरासी, देवली-उनियारा, दौसा और झुंझुनूं में विधायकों के सांसद बनने के कारण सीटें खाली हुईं। वहीं सलूंबर और रामगढ़ में विधायकों के निधन के कारण उपचुनाव कराने पड़े। अंता में कंवरलाल मीणा की सदस्यता समाप्त होने के बाद उपचुनाव हुआ। अब बहरोड़ विधायक डॉ. जसवंत यादव के निधन के बाद एक बार फिर उपचुनाव की स्थिति बन गई है। ऐसे में विधानसभा की 200 सीटों का सदन एक बार फिर पूरी संख्या के साथ चलने से पहले खाली कुर्सियों के सवाल से घिर गया है।

वास्तु और शुद्धिकरण की चर्चा भी रही

नई विधानसभा में विधायकों के निधन और सदन में पूरी संख्या नहीं होने को लेकर समय-समय पर वास्तु दोष की चर्चाएं भी होती रही हैं। कुछ पूर्व विधायकों ने भवन के शुद्धिकरण और विशेष पूजा-अर्चना की मांग उठाई थी। पूर्व मुख्य सचेतक कालूलाल गुर्जर और पूर्व विधायक हबीबुर्रहमान ने भी इस मुद्दे पर सवाल उठाए थे। विधानसभा भवन के निर्माण से पहले इस जमीन के श्मशान और कब्रिस्तान होने के दावे भी किए गए थे। इन चर्चाओं के बीच विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने वैदिक मंत्रोच्चार और मंगलाचरण जैसे धार्मिक आयोजन करवाए। यहां तक कि विधानसभा सचिवालय के कुछ अधिकारियों ने भी वास्तु के अनुसार अपनी कुर्सियों और टेबल की दिशा बदली।